

नया नियम इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र

सत्र 26: 1 कुरिन्थियों, भाग II

टेड हिल्डेब्रांट [गॉर्डन कॉलेज]

परिचय [00:00-

यह डॉ. टेड हिल्डेब्रांट और न्यू टेस्टामेंट इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र पर उनकी शिक्षा है। यह कुरिन्थियों भाग दो पर व्याख्यान संख्या 26 है।

पिछली बार हम कुरिन्थियों की पुस्तक में कुछ मुद्दों के बारे में बात कर रहे थे। हमने शहर का पता लगाने की कोशिश की और कहा कि यह एक तरह का नाविक शहर है। वहाँ बहुत सारी समस्याएँ हैं और वे वेश्यावृत्ति, धन और इस तरह की सभी चीज़ों से जुड़ी हैं। हम विवाह और ब्रह्मचर्य के इन मुद्दों से गुज़र रहे थे। पॉल कह रहा था, यीशु ने यह कहा और मैं इसे अपने अधिकार से आपको दे रहा हूँ। वह एक प्रेरित है। वह उनसे कहता है कि अगर वे चाहें, अगर वे कर सकते हैं, तो उन्हें ब्रह्मचारी रहना पसंद है और उन्हें विवाहित रहना चाहिए। लेकिन फिर उसने उल्लेख किया कि यह वर्तमान संकट के लिए है। तो जाहिर है कि एक संकट था क्योंकि हम जानते हैं कि भगवान ने विवाह बनाया है। विवाह अच्छा है लेकिन जाहिर है कि एक निश्चित संकट था और हमने कहा कि ऐसा कभी-कभी होता है जब आप युद्ध और अन्य प्रकार की कठिनाइयों में होते हैं। उत्पीड़न, युद्ध और उत्पीड़न विवाह के लिए अच्छे समय नहीं हैं। "मैं भगवान नहीं कहता।" एक प्रेरित के रूप में उनकी टिप्पणी यही थी। हमने सिर ढकने के बारे में थोड़ी बात की। फिर मैं चर्च में महिलाओं के बोलने के मुद्दे पर बात करना चाहता हूँ। फिर आज, यह अब एक बड़ा मुद्दा है, न्यू इंग्लैंड और न्यू इंग्लैंड में आपके कुछ चर्च, इनमें से कुछ मुद्दों पर अधिक प्रगतिशील हैं और आगे भी रहेंगे। लेकिन देश में कई अन्य जगहों पर, वे अभी भी इस तरह के सवाल से जूझ रहे हैं। चर्च में महिलाओं की भूमिका क्या है और वे किस स्तर पर भाग लेती हैं या नेतृत्व करती हैं। उन्हें क्या करने की अनुमति है और क्या करने की अनुमति नहीं है? वे बस यही सोचते हैं कि हम कब एक महिला पोप या ऐसा

कुछ करने जा रहे हैं? यहाँ तक कि ऐसा कहना भी लगभग ईशनिंदा है। तो यहाँ कुछ चीजें हैं जब मैं पवित्रशास्त्र के पाठ को देखना चाहता हूँ और फिर इसका अर्थ समझने की कोशिश करता हूँ। फिर वास्तव में आपके चर्चों ने इस पर कैसे काम किया है, इस बारे में आपकी कुछ कहानियाँ सुनना बहुत दिलचस्प होगा। अलग-अलग चर्च अलग-अलग तरीके से अलग-अलग काम करेंगे। तो मैं बस उन आयतों को पढ़ूँगा जो कुछ हद तक परेशान करने वाली हैं। यह अध्याय 14, श्लोक 34 है और इसमें कहा गया है, "महिलाओं को चर्च में चुप रहना चाहिए। उन्हें बोलने की अनुमति नहीं है, लेकिन कानून के अनुसार उन्हें आज्ञाकारी होना चाहिए।" इसलिए महिलाओं को चर्च की बातों में चुप रहना चाहिए। तो यह 1 कुरिन्थियों 14:34 है।

अब कुछ लोग कहते हैं, हमें वास्तव में परवाह नहीं है कि बाइबल क्या कहती है। बाइबल एक प्राचीन पुस्तक है। इसे फेंक दो। यह केवल ईश्वर का वचन है। वे यह नहीं कहेंगे कि यह ईश्वर का वचन है। वे केवल यह कहते हैं कि यह उस समय लिया गया एक स्नेपशॉट था। यह आज हमारे लिए पूरी तरह अप्रासंगिक है। हालाँकि, हम गॉर्डन में हैं और हम मानते हैं कि यह ईश्वर का वचन है। इसलिए आप इसे यँ ही फेंक नहीं सकते। इसलिए हमें इसे और यहाँ जो हो रहा है, उसे समझने की कोशिश करनी होगी। 1 तीमुथियुस अध्याय दो, श्लोक 11 में टिमोथी कहते हैं, "एक महिला को चुपचाप और पूर्ण आज्ञाकारिता में सीखना चाहिए। मैं किसी महिला को सिखाने या किसी पुरुष पर अधिकार रखने की अनुमति नहीं देता। उसे चुप रहना चाहिए। क्योंकि आदम पहले बनाया गया था और फिर हव्वा।" तो जब आप इन दो अंशों को एक साथ रखते हैं तो आप क्या करते हैं, आप इसे कैसे संभालते हैं? मैं बस यह देखना चाहता हूँ कि आप लोग इसके साथ कैसे काम करते हैं। मैं सिद्धांत स्तर पर काम करना चाहता हूँ। मुझे अपनी पृष्ठभूमि से कहना चाहिए कि मैं एक तरह का सर्किट राइडर प्रचारक था। मेरे पास पाँच चर्च थे जहाँ मैं हर रविवार को जाता था। मैं अगले चर्च में जाता और टेनेसी में इन चर्चों में जाता। मैं कहूँगा कि चर्च में रहने वाले पुरुषों की शिक्षा संभवतः छठी कक्षा या हाई स्कूल स्तर तक थी, छठी कक्षा और हाई स्कूल के बीच। वहाँ पुराने लोग थे, यह गृहयुद्ध के बाद के दिनों की बात है, जब मैं बड़ा हुआ, मैं उस समय शायद 25 या 26, 27 साल का था। चर्च में एक महिला थी जिसने अंग्रेजी साहित्य में मास्टर डिग्री प्राप्त की थी। इसलिए उसके पास

अंग्रेजी साहित्य में मास्टर डिग्री थी जबकि कमरे में रहने वाले ज़्यादातर पुरुष हाई स्कूल में थे। फिर उसने फैसला किया कि वह एक संडे स्कूल टीचर बनेगी और वह सभोपदेशक की किताब पढ़ाएगी। खैर, सभोपदेशक की किताब मेरे लिए वाकई एक आकर्षक किताब है। इसलिए मुझे इसमें बहुत दिलचस्पी थी क्योंकि वह व्यक्ति जो एक प्रचारक था। मैं उसकी कक्षा में सिर्फ़ इसलिए आने वाला था क्योंकि मैं सुनना चाहता था कि वह सभोपदेशक में क्या कहती है। चर्च के कुछ लोग उसकी कक्षा में इसलिए नहीं जाते थे क्योंकि वह एक महिला थी। उन्हें लगा, और मुझे नहीं पता कि उन्हें क्या लगा,

शायद उन्हें डर लगा होगा। लेकिन मैं क्लास में गया और उनके लिए एक आदर्श स्थापित करने की कोशिश की। लेकिन यह फिर से, वे टेनेसी में थे, यह शायद 30 साल पहले की बात है। इसलिए वे वास्तव में संघर्ष कर रहे थे। उन्होंने वास्तव में इन चीजों को नहीं समझा था। उसने सभोपदेशक पर एक शानदार क्लास ली। यह अब मेरी पसंदीदा किताबों में से एक है। तो आप इसके साथ कैसे काम करते हैं? अन्य चर्च इस पर विभाजित हो गए हैं। मेरा भाई ग्रैंड आइलैंड पर एक बैपटिस्ट चर्च में एक एल्डर था। मेरे भाई, आपको उसे जानना होगा। वह हर समय बेंत उठाता है। इसलिए वह वहाँ जाता है और वह बस एक ऐसा व्यक्ति है जो व्यंग्यात्मक टिप्पणी करता है और परेशानी खड़ी करता है। तो यह चर्च एक वास्तविक बैपटिस्ट पादरी था जो एक विशिष्ट बैपटिस्ट चर्च की तरह था। उसने कहना शुरू किया, अच्छा, यहाँ महिलाएँ और अधिक काम क्यों नहीं कर रही हैं? इसलिए उसने बेंत उठाना शुरू कर दिया और एल्डर बोर्ड से बाहर कर दिया गया। मुझे यकीन है कि आपके पास भी कहानियाँ होंगी। अब जब मैं इन अंशों को देखता हूँ, तो वास्तव में इसका विश्लेषण करने के संदर्भ में कई चीजें दिमाग में आती हैं। क्या यह नैतिक सिद्धांत है जो पॉल हमें दे रहा है? क्या यह नैतिक सिद्धांत है या यह सांस्कृतिक सिद्धांत है? क्या यह नैतिक सिद्धांत है या यह सांस्कृतिक सिद्धांत है? क्या शास्त्र के नैतिक सिद्धांत वास्तव में इतने बदल गए हैं? जैसे कि तुम हत्या नहीं करोगे, तुम चोरी नहीं करोगे। तुम झूठ नहीं बोलोगे। इस तरह की चीजें, तुम लालच नहीं करोगे। ये चीजें शास्त्र के नैतिक सिद्धांतों के रूप में बनी हुई हैं। पुराने या नए नियम में काफी हद तक बनी हुई हैं। उन नैतिक सिद्धांतों को हमने देखा है, और यहाँ तक कि पॉल ने भी दुष्टता के बारे

में बुराइयों को सूचीबद्ध किया है: गपशप, बदनामी, अनैतिकता, इस तरह की बुराइयाँ। वह बुराइयों को सूचीबद्ध करता है और वह सद्गुणों को भी सूचीबद्ध करता है। ये काफी मानक हैं।

लेकिन कभी-कभी धर्मग्रंथों में सांस्कृतिक मुद्दों के बारे में बताया जाता है। तो हमें पुराने नियम में सांस्कृतिक मुद्दे मिलते हैं, आपको नए नियम में खतना करवाना पड़ता था, क्या गैर-यहूदियों को खतना करवाना पड़ता है? नहीं। पुराने नियम में आप झींगा मछली नहीं खा सकते थे। आप झींगा मछली नहीं खा सकते थे और आप सूअर का मांस नहीं खा सकते थे। क्या नए नियम में गैर-यहूदी झींगा मछली और सूअर का मांस खा सकते हैं? हाँ। तो ऐसी कुछ चीजें हैं जो सांस्कृतिक मुद्दे हैं जो संस्कृति के अनुसार बदलती हैं। पुराने और नए नियम के बीच ये चीजें नियम के अनुसार बदलती हैं। तो आपको उनसे पूछना होगा, क्या यह सांस्कृतिक है या नैतिक है? क्या यह सांस्कृतिक है या नैतिक है? तो यह सामने आता है। क्या पॉल यहाँ जो कह रहा है वह विशेष सांस्कृतिक मुद्दा है या विशेष समस्या है जिसे वह संबोधित कर रहा है या यह एक नैतिक सार्वभौमिक है? इसका वर्णन करने का दूसरा तरीका वर्णनात्मक है। यह वर्णनात्मक है जब पॉल को चर्च में कोई समस्या होती है और वह केवल समस्या का वर्णन कर रहा है या यह हर समय के लिए निर्देशात्मक है? क्या यह हर समय के लिए निर्देशात्मक है या वह केवल एक बार की अनूठी स्थिति का वर्णन कर रहा है? तो, उदाहरण के लिए, पुराने नियम में, अब्राहम ने इसहाक की बलि दी। अब्राहम से कहा गया कि उसे इसहाक की बलि देनी है। अब, अगर अब्राहम से कहा जाता है कि वह इसहाक की बलि दे, तो क्या हमें इसहाक की बलि देनी चाहिए? खैर, सबसे पहले, इसहाक मर चुका है। अब्राहम मर चुका है। क्या यह एक सार्वभौमिक सिद्धांत है कि माता-पिता को अपने बच्चे की बलि देनी चाहिए? खैर, आप कहेंगे नहीं। तो यह एक बार की बात थी, जिसमें परमेश्वर ने अब्राहम को विशेष रूप से निर्देशित किया था। उत्पत्ति 22 में जो कुछ है, वह केवल एक वर्णन है कि क्या हुआ। मैं लाल सागर तक जा रहा हूँ, अपनी छड़ी ले लो, समुद्र पर मारो, और पानी दो भागों में बँट जाएगा। अब मूसा ने निर्गमन में ऐसा किया। लेकिन अगर आप कोय तालाब तक जाते हैं और उस पर छड़ी से मारते हैं, तो आप भीग सकते हैं। और इसलिए, यह इतिहास में एक बार की बात थी। वादा किए गए देश में जाओ, जॉर्डन नदी पार करो और जेरिको पर हमला करो। हम अब जेरिको पर हमला नहीं करते। यह अब

एक पुरातात्विक खोज है। तो वे एक बार की बात हैं। वे इतिहास में जो हुआ, उसका वर्णन करते हैं। यह इतिहास में हुआ है और इन्हें सार्वभौमिक बनाने के लिए नहीं बनाया गया है। इन्हें निर्देशात्मक बनाने के लिए नहीं बनाया गया है। इन्हें इतिहास में जो कुछ हुआ है उसका वर्णन करने के लिए बनाया गया है और नैतिक रूप से सभी समय के लिए निर्देशात्मक नहीं बनाया गया है। तो यहाँ बात यह आती है कि आप इसके साथ क्या करते हैं?

और मुझे लगता है कि मैं इस बात को कैसे अलग करता हूँ कि हमारी संस्कृति में क्या नैतिक है, हम क्या कहते हैं? कोई नैतिकता नहीं है। इसलिए हम जो भी अच्छा लगे, वह कर सकते हैं, जब तक कि केवल एक वास्तविक नियम हो। आप जो भी करते हैं, वह कर सकते हैं, जब तक कि आप किसी को चोट न पहुँचाएँ। तो यह हमारी आधुनिक नैतिकता है। जो भी अच्छा लगे, वह करें, सिवाय इसके कि अगर इससे किसी को चोट पहुँचती है, तो निश्चित रूप से आप वास्तव में नहीं जानते कि किससे किसी को चोट पहुँचने वाली है। तो इसकी अपनी समस्याएँ हैं। यहाँ एक सिद्धांत है जिसका मैं इस और शास्त्र के कई अन्य अंशों पर उपयोग करता हूँ। क्या शास्त्र टकराता है। क्या शास्त्र टकराता है? और अगर शास्त्र टकराता है, तो आपको पूछना होगा कि यहाँ क्या हो रहा है। तो उदाहरण के लिए, पुराने नियम में, यहूदियों को नए नियम में खतना करवाना पड़ता था। प्रेरितों के काम की पुस्तक में, यह कहा गया है, अरे कुरनेलियुस, तुम्हें खतना करवाने की ज़रूरत नहीं है। तो पुराने और नए नियम के बीच टकराव है। इसलिए नया नियम इसे स्पष्ट करता है और कहता है, हाँ, लेकिन अब गैर-यहूदी लोग आ रहे हैं, हमें अब ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है। मार्क की पुस्तक में एक साइड कमेंट है कि यीशु ने सभी खाद्य पदार्थों को अच्छा घोषित किया है। इसलिए हमें अब कोषेर खाने की ज़रूरत नहीं है। मेरा मतलब है कि सवाल यह है कि आप ग्लूटेन मुक्त या शाकाहारी या ऐसा कुछ करने जा रहे हैं। लेकिन हमें अब कोषेर खाने की ज़रूरत नहीं है। हमें केन पर K देखने की ज़रूरत नहीं है। इसलिए मार्क हमें वहाँ थोड़ा सा संकेत देता है। तो क्या आपके पास पाठ में वर्णित चीज़ों के बीच टकराव है?

इसलिए पॉल कहते हैं, "महिलाओं को चर्च में चुप रहना चाहिए।" इससे कई बातें सामने आती हैं और क्या बाइबल में ही इस पर मतभेद हैं? इससे हमें आश्चर्य होगा कि यह एक अच्छा सिद्धांत है या नहीं। तो चलिए मैं आपको कुछ उदाहरण देता हूँ। प्रेरितों के काम 2:17 में योएल की एक भविष्यवाणी कहती है, परमेश्वर की आत्मा-- प्रेरितों के काम 2 पिनतेकुस्त है, आत्मा उतरती है और आत्मा किस पर उतरती है? कौन भविष्यवाणी करेगा? आत्मा उतरती है। और योएल 2:28 से और पुराने नियम से योएल के अंश के बाद कहा गया है, जब आत्मा तुम पर आएगी, तो वह तुम्हारे बेटों और बेटियों पर आएगी, वह तुम्हारे बेटों और बेटियों में आएगी। वे भविष्यवाणी करेंगे यानी तुम्हारे बेटे और बेटियाँ भविष्यवाणी करेंगे। इसमें बेटियों की सूची दी गई है, उनका स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है "तुम्हारे बेटे और बेटियाँ भविष्यवाणी करेंगे।" और इसलिए, रुको, अगर पॉल कह रहा है कि उन्हें चर्चों में चुप रहना चाहिए, तो योएल की यह भविष्यवाणी कैसे सच हो सकती है जब आत्मा उतरती है, बेटे और बेटियाँ भविष्यवाणी करते हैं। पतरस ने कहा, यह अभी तुम्हारे सामने पूरा हो रहा है। तो यह एक अंश है। एक और अंश जो तुम लोग मुझे पुराने नियम से जानते हो, कम से कम तुममें से कुछ लोग जानते हैं। पुराने नियम में, हमारे पास डेबोरा जैसे लोग हैं जो एक भविष्यवक्ता हैं, वह इस्राएल का नेतृत्व कर रही हैं और वह एक न्यायाधीश भी हैं। तो वह एक भविष्यवक्ता, एक न्यायाधीश हैं और वह इस्राएल का नेतृत्व कर रही हैं। वह एक विवाहित महिला भी हैं और वह उस समय इस्राएल का नेतृत्व कर रही हैं, वैसे, क्या परमेश्वर डेबोरा को डांटते हैं? नहीं। न्यायाधीशों के चौथे और पाँचवें में डेबोरा एक नायक है। मुझे लगता है कि आप नायिका कहेंगे। आपको सावधान रहना होगा कि आप इसे कैसे कहते हैं, आपको एक नायिका मिलती है। लेकिन वह एक नायक है। तो वह बाहर जाती है और वे युद्ध जीतते हैं। वह एक न्यायाधीश है। वास्तव में क्या अधिकांश न्यायाधीश नकारात्मक हैं? क्या न्यायाधीशों की पुस्तक में कई न्यायाधीश नकारात्मक हैं? सैमसन हमेशा गड़बड़ करता रहता है, यिप्तह जानता है कि वह क्या कर रहा है। तो आपके पास ये सभी न्यायाधीश हैं, लेकिन क्या डेबोरा वास्तव में एक शानदार न्यायाधीश है? जजों के दौर में, जब हर कोई वही कर रहा है, जो उसकी अपनी नज़र में सही है, डेबोरा सबसे अलग है। मेरा मतलब है कि वह बेहतरीन है। वह एक भविष्यवक्ता है।

अब मैं पॉल के बारे में बात करूँगा। पॉल कहता है कि महिलाओं को चर्च में चुप रहना चाहिए। लेकिन फिर इस बारे में क्या? यह 1 कुरिन्थियों 11:5 में है। यह वास्तव में पॉल द्वारा कही गई बात को उलट देता है। वह कहता है, "हर महिला जो अपने सिर को खुला रखकर प्रार्थना या भविष्यवाणी करती है, वह अपने सिर का अपमान करती है।" तो वह क्या कर रही है? वह प्रार्थना और भविष्यवाणी कर रही है? खैर, आप खुद से प्रार्थना कर सकते हैं। यह बढ़िया है। लेकिन वह भविष्यवाणी कर रही है। भविष्यवाणी के लिए दूसरा शब्द उपदेश देना है। भविष्यवाणी और उपदेश देना लगभग एक जैसे ही हैं। मेरा मतलब है, शब्द एक जैसे ही हैं। तो यहाँ जो आपको मिला है वह यह है कि वह हर महिला जो प्रार्थना करती है या भविष्यवाणी करती है। तो पॉल का सामना महिलाओं से है, वे अपने सिर को खुला रखकर भविष्यवाणी कर रही हैं। उसने कहा कि उन्हें अपने सिर को ढकने की ज़रूरत है। तो मैं यह कह रहा हूँ कि अगर वह कहता है कि महिलाओं को चुप रहना चाहिए, तो चर्च, और फिर कहता है, ठीक है, एक मिनट रुको महिलाएँ चर्च में प्रार्थना और भविष्यवाणी कर रही हैं। पॉल के अपने लेखन में भी तनाव है। अब मैं रोमियों 16:7 में पॉल के साथ आगे बढ़ता हूँ, वह जूनियस का उल्लेख करता है जो प्रेरितों में सबसे श्रेष्ठ है। जूनियस एक महिला है और वह जाहिर तौर पर रोम जा रही है। रोम जाने के लिए पॉल ने कुरिन्थ से लिखा और उसने कहा कि यह महिला जूनियस "प्रेरितों में सबसे श्रेष्ठ" है। तो वह अब एक प्रेरित है, वैसे, वह इस 12 अर्थ में प्रेरित नहीं है कि वह 12 में से एक है, लेकिन यह वे हैं, वे आपको उनके बारे में बताते हैं। मैंने दो सप्ताह पहले घाईयन पादरी को पढ़ाया था। घाईयन में तीन लोग थे, वे पश्चिम अफ्रीका के घाना से थे। इनमें से तीन लोगों को "प्रेरित" माना जाता था। उनके चर्च में हैं, जिन्हें आप लोग शायद बिशप या ऐसा कुछ कहते थे। लेकिन वे उन्हें घाना में प्रेरित कहते हैं, वे प्रेरित शब्द का उपयोग करते हैं। तो यह महिला उस प्रकार की व्यक्ति होगी। जिसे भेजा गया था। प्रेरित का सीधा सा मतलब है जिसे भेजा गया है। तो वह वहाँ जूनियस है।

प्रिस्किल्ला और अक्विला, क्या आपको प्रिस्किल्ला और अक्विला याद हैं। प्रिस्किल्ला ने अपोलोस को सिखाया कि वह एक व्यक्ति था, जो शास्त्रों में शक्तिशाली था, जिसका अर्थ है पुराना नियम। प्रिस्किल्ला ने उसे मसीह के बारे में निर्देश दिया। तो आपको प्रिस्किल्ला को ऐसा करते हुए मिल

गया। यह एक अधिनियम 18 के रूप में है। और हमने हुल्दा नामक भविष्यवक्ता के बारे में बात की है। मरियम जब रीड सागर के पार आती है। मरियम वास्तव में हमें शास्त्र का एक हिस्सा देती है। वह हमें समुद्र का एक गीत देती है। इसलिए, मैं जो सुझाव देने की कोशिश कर रहा हूँ वह यह है कि शास्त्र स्वयं महिलाओं को प्रमुख पदों पर दिखाता है। तो क्या होता है कि एक टकराव होता है, फिर एक टकराव होता है और जब भी आपको टकराव मिलता है, तो आपको यह मिल जाता है। आपका एंटीना ऊपर उठना चाहिए और कहना चाहिए, क्या यह केवल वर्णनात्मक है न कि निर्देशात्मक? क्या यह केवल एक सांस्कृतिक मुद्दा है कि पॉल एक विशेष चर्च में एक विशेष समस्या को हल कर रहा है और इसका मतलब सार्वभौमिक होना नहीं है। इसका मतलब सार्वभौमिक होना नहीं है, लेकिन यह एक विशेष समस्या है जो उनके पास थी। तो जब भी आप इस टकराव को देखते हैं, जब भी आप शास्त्रों के इस टकराव को देखते हैं। अब, वैसे, तो आप पुराने नियम में जाते हैं और योआब क्या करता है? पुराने नियम में योआब क्या करता है? वह हमेशा ऐसा करता है। वह लोगों को मारता है। तो योआब ने अब्रेर की हत्या की, लेकिन फिर आप नए नियम में जाते हैं, इसमें कहा गया है कि हत्या ठीक है। अब, मुझे ऐसा नहीं लगता। तो आप जो देखते हैं वह नैतिक सिद्धांतों के संदर्भ में बहुत निरंतरता है, लेकिन इनमें से कुछ सांस्कृतिक मुद्दों पर, काफी विविधता है क्योंकि संस्कृति कनानी काल में सेमिटिक संस्कृति से लेकर नव-बेबीलोनियन काल तक पश्चिमी ग्रीक संस्कृति में बदल जाती है और फिर यह रोमन परिप्रेक्ष्य में बदल जाती है। ये बड़े सांस्कृतिक बदलाव हैं। तो इसके बड़े परिणाम होने जा रहे हैं। तो जब मैं इसे देखता हूँ, तो मैं कहना शुरू करता हूँ, मुझे आश्चर्य है कि क्या यह सांस्कृतिक है। मुझे आश्चर्य है कि क्या यह अब सांस्कृतिक है। तो यह वहाँ पहला सिद्धांत है। क्या कोई संदर्भ संकेतक हैं? क्या पाठ में कोई संकेत है कि वह किसी विशेष समस्या को संबोधित कर रहे हैं? कोई नैतिक सार्वभौमिक नहीं, लेकिन वह एक विशेष समस्या को संबोधित कर रहे हैं। इसलिए मैं देखना शुरू करता हूँ और कहता हूँ, आप जानते हैं, यदि आप पाठ को देखें।

यहाँ यह कहा गया है कि महिलाएँ चर्च में मौन रहती हैं। फिर कुछ दूर आगे। यह कहता है, "यदि कोई सोचता है कि वह भविष्यवक्ता है या अन्यथा आत्मा द्वारा उपहारित है।" तो यह पूरा अध्याय

आत्मा के उपहारों पर है और कहता है, "उन्हें स्वीकार करना चाहिए कि जो मैं तुम्हें लिख रहा हूँ वह प्रभु की आज्ञा है। लेकिन अगर कोई इसे अनदेखा करता है, तो इसलिए मेरे भाइयों और बहनों भविष्यवाणी करने के लिए उत्सुक रहो। मेरे भाइयों और बहनों भविष्यवाणी करने के लिए उत्सुक रहो और अन्य भाषाओं में बोलना मत भूलना।" अब मैं इससे पहले की कुछ आयतों पर वापस जाता हूँ। "सब कुछ शालीनता से किया जाना चाहिए और ताकि चर्च का निर्माण हो सके। जो कोई भी अन्य भाषा में बोलता है, उसे एक बार में दो या तीन बोलना चाहिए।" दूसरे शब्दों में, पॉल कह रहा है, चर्च में व्यवस्था होनी चाहिए। जाहिर है जब वे अन्य भाषाओं में बोल रहे थे, तो बहुत सारे लोग अन्य भाषाओं में बोल रहे थे और वह कहता है, हम इसे खो रहे हैं। हमें चर्च सेवा में व्यवस्था बनाए रखनी है। तो यह यहाँ एक भूमिका निभा सकता है। उन्हें एक बार में एक बोलना चाहिए। और अगर कोई अनुवादक नहीं है, तो वक्ता को खुद चुप रहना चाहिए। और पद 26 से नीचे आइए पद 35 पर जाएं "यदि वे" यानी महिलाएं, यह पद 35 है "यदि वे किसी बात के बारे में पूछताछ करना चाहती हैं तो उन्हें घर पर अपने पति से पूछना चाहिए क्योंकि एक महिला का चर्च में बोलना अपमानजनक है।" मैं इसे देखता हूँ और कहता हूँ, वह क्यों कहेगा कि उन्हें घर पर अपने पति से पूछताछ करनी चाहिए? मैं जो सुझाव दे रहा हूँ, वह यह है कि पॉल ने कहा कि अन्य भाषाओं के बोलने के मामले में, यह नियंत्रण से बाहर हो रहा है, आप लोग इस सामान पर जा रहे हैं और हम इसे नियंत्रित नहीं कर सकते। इसलिए आपको इसे एक बार में करना होगा। किसी को अनुवाद करना होगा। आपको चर्च सेवा में व्यवस्था लानी होगी। जाहिर है कि उनकी चर्च सेवाएं बहुत जंगली हो रही थीं। अब, वैसे, क्या हमें अपनी चर्च सेवाएं पसंद हैं? जंगली? कई

हममें से बहुत से लोग चाहते हैं कि यह जंगली हो। लेकिन वह कह रहा है कि इसे शालीनता से और व्यवस्थित तरीके से किया जाना चाहिए। और यहाँ वह इस तथ्य का उल्लेख करता है कि यदि वे किसी चीज़ के बारे में पूछताछ करना चाहती हैं, तो उन्हें घर पर अपने पतियों से पूछना चाहिए। तो मैं जो सोच रहा हूँ, उसके आधार पर, ये महिलाएँ स्पष्ट रूप से चर्च में पूछताछ कर रही हैं। तो आपको ऐसी महिलाएँ मिलेंगी जो चर्च सेवा में बाधा डालती हैं और कहती हैं, अरे इसका क्या मतलब है या कुछ और। पॉल कह रहा है कि यदि उनके पास कोई पूछताछ है, तो उन्हें अपने प्रश्न

से चर्च को परेशान न करने दें, उन्हें घर पर अपने पतियों से पूछने दें या चर्च के बाहर ऐसा करने दें। यदि उनके पास इस तरह का प्रश्न है, तो पूरे चर्च सेवा को बाधित न करें। इस तरह की किसी चीज़ के लिए पूरे चर्च सेवा को बाधित न करें। तो मैं यहाँ जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है कि पद 35 और अन्य स्थानों में, पाठ में संकेत हैं कि यह इस विशेष चर्च के साथ एक विशेष समस्या थी और इसका मतलब यह नहीं है कि यह सार्वभौमिक हो कि कुछ पैरोडी थी, चर्च में विघटनकारी चीज़ें चल रही थीं और पॉल चर्च सेवा को व्यवस्थित करने की कोशिश कर रहा था। ताकि यह व्यवस्थित रूप से शालीनता से एक क्रम में किया जाए। लेकिन सब कुछ, और मुझे बस यह बताने दें कि अध्याय 14 कैसे समाप्त होता है? वह आध्यात्मिक उपहारों और महिलाओं के साथ इस बात पर अध्याय 14 का पूरा समापन करता है। वह कहता है, लेकिन सब कुछ उचित और व्यवस्थित तरीके से किया जाना चाहिए। सब कुछ उचित और व्यवस्थित तरीके से किया जाना चाहिए। तो मैं यहाँ जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है कि पाठ में संकेत हैं कि यह एक विशेष समस्या है जिसे वह इस विशेष चर्च के साथ संबोधित कर रहा है। जाहिर है कि कुछ विघटन चल रहा था और वह इसे किसी सार्वभौमिक सिद्धांत के बजाय उस रूप में पहचानता है। किसी सार्वभौमिक सिद्धांत के बजाय। तो क्या इस विषय पर कोई शास्त्र विविधतापूर्ण है? यही हमने कहा। शास्त्र विविधतापूर्ण है। ऐसी महिलाएं हैं जो उठती हैं और उपदेश देती हैं और शिक्षा देती हैं।

क्या किसी को नीतिवचन याद है? आपके पास एक घटिया पुराने नियम का प्रोफेसर था [मैं], उसने नीतिवचन नहीं पढ़ा। लेकिन नीतिवचन की पुस्तक में, राजा को कौन सलाह देता है, राजा को कौन ज्ञान देता है? क्या किसी को यह याद है? मुझे यह सिर्फ इसलिए करने दें क्योंकि मैं पुराने नियम की शिक्षा देने में लापरवाह था। लेकिन अगर आप नीतिवचन के अध्याय 30 पर जाएँ तो अंदाज़ा लगाएँ कि कौन निर्देश दे रहा है और ज्ञान दे रहा है। यह कहता है, "राजा लेमूएल की बातें एक प्रेरित कथन है, उसकी माँ ने उसे सिखाया।" और इसलिए यहाँ उसकी माँ उसे सिखा रही है। अब क्या उसकी माँ एक महिला है? लगभग। यह बहुत ज़्यादा दिया गया है। इसलिए वह कहता है, "मेरे बेटे सुनो, मेरे बेटे की बात सुनो," अरे बेटा क्या यह एक माँ है? "मेरे गर्भ के बेटे सुनो। मेरी प्रार्थनाओं के उत्तर के बेटे सुनो।" ठीक है? और इसलिए यह उस लड़के की माँ है। कोई भी इस तरह से बात

नहीं करेगा। "अपनी ताकत महिलाओं पर खर्च न करें या अपनी शक्ति और उन लोगों पर खर्च न करें जो राजाओं को बर्बाद करते हैं क्योंकि यह राजाओं के लिए नहीं है, राजाओं को शराब पीना या शासकों को बीयर की लालसा करना चाहिए। तो वह उसे क्या बता रही है? कुछ माँ उन्हें क्या बता रही हैं? आप राजा आदमी हैं। नशे में न हों। नशे में न हों। यह आपके लिए नहीं है कि आप इस चीज़ को पीएँ क्योंकि अगर आप इस चीज़ को पीते हैं तो आप कानून का पालन नहीं करेंगे। तो यह ज्ञान की पुस्तक में है। उसकी माँ की शिक्षा, उसकी माँ की शिक्षा शास्त्र में आती है। तो फिर, अगर आप कहते हैं कि सभी महिलाएँ चुप हैं, तो आप लेमुएल की माँ के साथ क्या करते हैं जो उसे ज्ञान सिखा रही है? तो वहाँ, मैं जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है कि शास्त्र में यह संघर्ष है।

तो आपको कहना होगा कि यह शायद अधिक विशिष्ट है, मुझे लगता है, और आप लोग पुराने नियम में मेरे साथ थे। बुनियादी सिद्धांतों में से एक यह है कि गहरा सिद्धांत क्या है? पुराने नियम में गहरा सिद्धांत क्या है, जब आप किसी ऐसी चीज़ में जा रहे हैं जो आपके घर की छत के चारों ओर एक परकोटा लगाती है। यदि आप निर्गमन में हैं और आप जानते हैं, मैं न्यू इंग्लैंड में रहता हूँ, हमारी छतें ऐसी हैं। यह आपकी छत के चारों ओर एक परकोटा लगाने का क्या मतलब है? आप आज इसके साथ कैसे काम करते हैं? मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि आप गहरे सिद्धांत को देखें। लोग आपके घर की छत के चारों ओर एक परकोटा लगाते हैं ताकि लोग गिर न जाएँ और खुद को चोट न पहुँचाएँ और जब वे आपकी संपत्ति पर होते हैं तो आप इसके लिए जिम्मेदार होते हैं। आपको इसका ध्यान रखना होगा, ताकि उन्हें चोट न लगे। इसलिए अगर मेरे पास पूल या ऐसा कुछ है, तो मुझे अपने पूल के चारों ओर एक बाड़ लगाने की ज़रूरत है। वास्तव में, यह वही था जिसके बारे में मैं सोच रहा था जब तक कि बिल्ली वहाँ न आ जाए और वह अंदर चली जाए, और फिर वह बाहर नहीं निकल सके। फिर वह वैसे भी जम जाएगा। यह अच्छा नहीं था। लेकिन वैसे भी, इसलिए आपने बच्चों के गिरने से बचाने के लिए अपने पूल के चारों ओर बाड़ लगा दी। तो गहरा सिद्धांत क्या है और मैं यहाँ इस महिला मामले के बारे में क्या सुझाव दे रहा हूँ, ऐसा लगता है कि गहरा सिद्धांत एक व्यवस्थित चर्च सेवा है और विघटनकारी गतिविधि न करें, चाहे वह अन्य भाषाओं में बोलकर हो या लोगों से सवाल पूछकर। तो हम इस तरह की बहुत सी चीज़ों को देखते हैं।

तो मुझे नहीं पता, और मैं इसे सिर्फ सवालों के लिए खोल देता हूँ। अब वैसे, क्या इस पर अलग-अलग राय रखना ठीक है? क्या इस पर अलग-अलग राय रखना ठीक है? आप अलग-अलग चर्चों से आते हैं, आप में से कुछ ऐसे चर्चों से आते होंगे जहाँ महिला पादरी हैं, दूसरे ऐसे चर्चों से आते होंगे जहाँ महिला पादरी नहीं हैं, लेकिन वहाँ महिला एल्डर्स होंगी, कुछ में महिला डेकोनेस होंगी और वे अन्य चीजों की अनुमति देते हैं। मैं एक बार एक चर्च में गया था जहाँ वे महिला को उठने देते थे और वह उठकर अपनी गवाही दे सकती थी, लेकिन वह शास्त्र का प्रचार नहीं कर सकती थी। और मुझे यह थोड़ा-बहुत लगा। ऐसा लगा, क्या बात है? वह मण्डली के सामने अपनी गवाही के बारे में बात कर रही है। क्या उसे ऐसा करने के लिए भी परमेश्वर के वचन का उपयोग करने में सक्षम नहीं होना चाहिए। तो वैसे भी, अलग-अलग चर्चों के अलग-अलग नियम हैं। अब वास्तव में, तो आप में से किसी के पास कोई सवाल या टिप्पणी है या कैसे, आप लोग इस मुद्दे पर कहाँ हैं? बड़ी कक्षा के लिए, कोई भी बात नहीं करता। ठीक है। तो आप मुझे क्या कहते हुए सुनते हैं? क्योंकि मुझे लगता है कि आपने शायद मुझे गलत समझा है। क्या मैं चर्च में नेतृत्व के पदों पर महिलाओं के पक्ष में हूँ? क्या मैं यही कह रहा हूँ? अब किसी ने अपना सिर हिलाया, हाँ, मैं इसे हाँ के रूप में लेने जा रहा हूँ। अब मैं जो करने जा रहा हूँ वह यह है कि मैं अपने आप से बहस करने जा रहा हूँ। ठीक है। मैं अब अपने आप से बहस करने जा रहा हूँ। मैं एक मेनोनाइट चर्च में जा रहा हूँ। यह उत्तरी इंडियाना और नेपनी नामक एक क्षेत्र है। क्या किसी ने कभी गोशेन कॉलेज के बारे में सुना है? वैसे भी, मैं एक मेनोनाइट चर्च में हूँ और उन्होंने मुझे चर्च में आकर बोलने के लिए कहा है। सबसे पहले, जब मैं चर्च में जाता हूँ, तो मैं क्या पहनता हूँ? मैं टाई पहनता हूँ। मैं टाई नहीं पहनता क्योंकि टाई को सांसारिक माना जाता है। इसलिए मैं इसे उतार देता हूँ, मैं टाई नहीं पहनता। उस आदमी ने मुझे पहले ही बता दिया था। और मैं NIV या ऐसा कुछ उपयोग करता हूँ। क्या मैं वहाँ NIV अनुवाद का उपयोग करता हूँ? और इसका उत्तर है, नहीं। वे किंग जेम्स संस्करण का उपयोग करते हैं और वे केवल किंग जेम्स का ही बहुत सशक्त अनुवाद करते हैं। अब, वैसे, क्या मैं इसके विरुद्ध बहस कर सकता हूँ? अगर मुझे ऐसा लगता है, तो आप जानते हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ? किंग जेम्स संस्करण। ग्रीक और हिब्रू से मैं कई तरह की चीजें कर सकता हूँ। आप जिस भी भाषा से काम करना चाहते हैं।

इसलिए मैं किंग जेम्स संस्करण से बंधा हुआ महसूस नहीं करता। हालाँकि मैं उसी में पला-बढ़ा हूँ। मेरे पिताजी ने मुझे KJV याद करवाया। तो मैं ठीक हूँ, मैं इसके साथ सहज हूँ, लेकिन क्या, तो मैं अपना NIV क्यों छोड़ दूँ और अपना किंग जेम्स क्यों ले लूँ और टाई न पहनूँ, बल्कि उस चर्च में स्पोर्ट कोट पहनूँ। ऐसा इसलिए है क्योंकि वहाँ इसी तरह से काम किया जाता है।

वैसे, उस चर्च में पुरुषों का वर्चस्व बहुत ज़्यादा है। महिलाएँ गाने के अलावा उसके सामने नहीं आती हैं। असल में ऐसा इसलिए है क्योंकि पुरुषों को गाने में परेशानी होती है, मैं बस मज़ाक कर रहा हूँ। इसलिए महिलाएँ उठकर गाएँगी। तो मैं जो कह रहा हूँ, शायद आप इसे इस तरह से कह सकते हैं, आप एक बदबूदार पाखंडी हिल्डेब्रेट हैं क्योंकि आप सैद्धांतिक रूप से एक बात सोचते हैं, लेकिन जब आप वास्तविक चर्च में जाते हैं, तो आप वहाँ जाकर उनसे नहीं कहते कि "आपको यहाँ कुछ चीज़ें सीखने की ज़रूरत है।" मैं वह बनना चाहूँगा जो आपको यह सिखाए। आपके पास महिलाएँ हैं और आपकी प्रभुत्वशाली महिलाएँ हैं। आपको उन्हें खुला छोड़ना चाहिए। या उन्हें किंग जेम्स संस्करण का उपयोग नहीं करना चाहिए। इसमें सभी तरह की त्रुटियाँ हैं। इसे मुझे दें और मैं आपको उनमें से पाँच दिखाऊँगा, आप जानते हैं। क्या मैं उनके साथ ऐसा करता हूँ? और इसका उत्तर है नहीं। नहीं। और इसलिए मैं जो कह रहा हूँ वह मेरे लिए सांस्कृतिक है। अगर मैं इज़राइल जाता हूँ, और वे इज़राइल में एक निश्चित तरीके से काम करते हैं, तो क्या मैं उनकी संस्कृति में फिट होने की कोशिश करता हूँ? क्या मैं उनकी संस्कृति में जितना संभव हो सके फिट होने की कोशिश करता हूँ? और इसका उत्तर है, हाँ। मैं इस पर कोई बड़ा मुद्दा नहीं बनाता। इसलिए मैं उनकी संस्कृति में फिट हो जाता हूँ। इसलिए जब वे कहते हैं कि हिल्डेब्रांट तुम अंदर जाओ और तुम इस उत्सव में शामिल होने जा रहे हो, तो तुम्हें अपने सिर पर क़िपा पहनना होगा। या वास्तव में यह एक फ्रेंच फ्राई बॉक्स जैसी चीज़ थी। मेरे सिर पर उल्टा रखा हुआ। क्या मैं वहाँ जाते समय अपने सिर पर फ्रेंच फ्राई वाली चीज़ पहनता हूँ? इसका उत्तर है, हाँ, क्योंकि मैं नहीं चाहता कि मुझे पीटा जाए या बाहर निकाला जाए या कुछ और। इसका एक हिस्सा यह है कि मैं बस फिट होना चाहता हूँ और मैं नहीं चाहता कि मेरी उपस्थिति उन्हें परेशान करे या उनके लिए अपमानजनक हो। इसलिए मैंने उस चीज़ को अपने सिर पर रख लिया। मैंने उस चीज़ को अपने सिर में रख लिया, क्या इससे कोई

फर्क पड़ता है? इसका उत्तर है नहीं। क्या उनके पास एक छोटी सी चीज है। यह एक छोटी सी चीज है। और इसलिए मैं उसके अनुसार ढल जाता हूँ क्योंकि यह एक छोटी सी चीज है।

अब अगर कोई कहता है, तुम इस यहूदी समारोह में आते हो, तुम्हें मसीह को अस्वीकार करना होगा। सवाल, क्या मैं अंदर जाऊँगा? नहीं, मैं अंदर जाकर मसीह को अस्वीकार नहीं करने वाला या ऐसा कुछ नहीं करने वाला। लेकिन मैं अपने सिर पर कुछ रख सकता हूँ। यह कोई बड़ी बात नहीं है। यह कोई बड़ी बात नहीं है। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि जब मैं मेनोनाइट चर्च में होता हूँ, तो मैं मूल रूप से अपने रूप को बदलता हूँ, मैं उन ग्रंथों को बदलता हूँ जिनसे मैं किंग जेम्स में उपदेश देता हूँ। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि मैं महिलाओं के लिए भी यही बात कहूँगा। वहाँ मैं अपने भाई को व्याख्यान दूँगा बजाय इसके कि मैं बेंत उठाकर मेजें पलटने की कोशिश करूँ और यह सोचते हुए खड़ा रहूँ कि ओह, मैं इन सभी शास्त्रों की बातें जानता हूँ और मैं इन लोगों के तर्कों को नष्ट कर सकता हूँ। क्या आप अपने ज्ञान का उपयोग लोगों को नष्ट करने के लिए करते हैं या आप अपने ज्ञान का उपयोग लोगों को बनाने के लिए करते हैं? और मैं जो कह रहा हूँ हम कहते हैं वाह, लेकिन वे इसमें गलत हैं। हाँ। हममें से बहुत से लोग बहुत सी चीजों में गलत हैं। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि आप कहते हैं, आप इसे कैसे बर्दाश्त कर सकते हैं? और मुझे लगता है कि मैं जो कह रहा हूँ, हाँ, आप कहते हैं कि आप इसे बर्दाश्त करेंगे, भले ही आपने हमें सिद्धांत रूप में बताया हो, आप यहाँ पर बने रहें। महिला पादरी मुझे बिल्कुल परेशान नहीं करती हैं। मुझे व्यक्ति के चरित्र में अधिक रुचि है। मैं अधिक, मुझे बस यह कहने दें, यह मुझे लगता है कि यह वास्तव में एक महत्वपूर्ण बात है। आपके साथ ईमानदार होने के लिए यह बहुत अधिक स्वीकार नहीं किया जाता है। यह बहुत अधिक स्वीकार नहीं किया जाता है। मुझे व्यक्ति के लिंग की तुलना में उसके चरित्र में अधिक रुचि है। यह अपमानजनक है, है न? मैं इसी तरह काम करता हूँ। मुझे व्यक्ति के लिंग की तुलना में उसके चरित्र में अधिक रुचि है। मुझे व्यक्ति की त्वचा के रंग की तुलना में उसके चरित्र में भी अधिक रुचि है। मुझे व्यक्ति के चरित्र और उसकी त्वचा के रंग में अधिक रुचि है। मुझे यह कैसे कहना चाहिए? तो, मुझे कैसे कहना चाहिए, डार्को और मेरे बीच कल वास्तव में लगभग दो घंटे तक एक बड़ी बहस हुई। मैं जो कह रहा हूँ, वह यह है कि डॉ. डार्को एक अलग माँ से मेरा भाई

है। वह है और मुझे कैसे कहना चाहिए? वह भाई जैसा है। मेरा मतलब है, आप जानते हैं, हम एक दूसरे को भाई कहते हैं। यह एक काल्पनिक रिश्तेदारी की बात है, लेकिन मुझे परवाह नहीं है। अब डॉ. डार्को जाहिर है, वह घाना और अफ्रीका से हैं। और ऐसी ही अन्य बातें। मुझे परवाह नहीं है कि वह उत्तरी ध्रुव से हैं या नहीं। हम किसी बात पर बहस करते हैं, हम बहस करते हैं और यह बस, मैं कैसे कहूँ कि मैं उनका सम्मान करता हूँ, वह मेरा सम्मान करते हैं। मैं उन्हें गलत होने के लिए पर्याप्त जगह देता हूँ अगर वह चाहे और वह मेरे सामने आ जाए क्योंकि वह नहीं चाहता कि मैं जीतूँ। तो वैसे भी, लेकिन हम उस पर आगे-पीछे होते रहते हैं।

और मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि कभी-कभी आपको लोगों को पर्याप्त जगह देनी होती है और मुझे लगता है कि मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि मुझे लगता है कि अमेरिका ध्रुवीकृत हो रहा है, ऐसा लगता है कि हम ध्रुवीकृत हैं। लिंग के बारे में इतना ध्रुवीकरण हो जाता है। तब क्या होता है जब आप लिंग को ध्रुवीकृत करते हैं और हर किसी को अपने अधिकारों की मांग करनी पड़ती है? जब आप शादी करते हैं तो क्या होता है? मैं उन विवाहों को देखता हूँ जो हो रहे हैं। मैं अपने बेटों को देखता हूँ और मैं अपनी बेटियों को देखता हूँ और उनकी शादियों में। आप कहते हैं, ठीक है, अब हम बहुत अधिक उन्नत हैं। आप लोग उस समय गुफाओं के लोगों का एक समूह थे। हम बहुत मुक्त हैं। और मैं विवाहों को देखता हूँ और मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि मैंने जो हाल ही में विवाह देखे हैं, वे स्पष्ट रूप से टूट रहे हैं। इसलिए मैं देखता हूँ और कहता हूँ, मैं प्रशंसा के साथ नहीं देखता। उसने कहा, ठीक है, वे सभी मुक्त हैं। हाँ। हाँ। तो मेरे बेटे की पत्नी इतनी मुक्त थी कि उसने छह साल बाद फैसला किया, वह बस मुक्त थी। उसने कहा, मैं तुमसे प्यार नहीं करती और बाद में मिलते हैं, चार्ली। मैं यहाँ से जा रही हूँ। लेकिन तुम कहते हो, अच्छा, एक मिनट रुको, क्या तुमने अपना वचन नहीं दिया? अच्छा, तुम्हारा वचन अब कुछ भी मायने नहीं रखता क्योंकि, तब मेरा वचन यही था, लेकिन अब मैं एक अलग व्यक्ति हूँ। अब मैं एक अलग व्यक्ति कैसे हूँ? इसलिए मेरे लिए आगे बढ़ने का समय आ गया है। और वास्तव में, तो मेरा बेटा नीचे आता है और कहता है, मैं कुछ भी करूँगा। वह उससे वास्तव में प्यार करता था और उसने कहा, मैं कुछ भी करूँगा जो तुम चाहोगी बस तुम रहोगी। उसने उसे घुमाया और कहा, और यह है, वह जो चाहे कहने के लिए स्वतंत्र

है। तो वह कहती है, छह साल बाद, मुझे नहीं पता कि मैंने कभी तुमसे प्यार किया था। मेरा बेटा कहता है, हे भगवान। मेरा मतलब है, हम शादी के छह साल बाद थे और वह इस तरह की टिप्पणी करती है, "मुझे यकीन नहीं है कि मैंने कभी तुमसे प्यार किया था।" और वह चली जाती है। यह पता चलता है कि जिस जगह पर वह काम करती थी, वहाँ एक और लड़का था और वह कूद गया। दुनिया में क्या हुआ? तो मैं यह कह रहा हूँ कि मुझे लगता है कि व्यक्ति का चरित्र ही वह चीज है जिसे आपको देखना चाहिए, और अंत में लिंग को भी देखना जरूरी नहीं है।

मैं यह भी कहूँगा और वास्तव में अपने बेटे और अपनी बेटियों को भी यही बताऊँगा। आपको कोई ऐसा व्यक्ति ढूँढना होगा जिसके साथ आप एक ही पृष्ठ पर हों। आपको कोई ऐसा व्यक्ति ढूँढना होगा जिसके साथ आप जीवन के बड़े मुद्दों पर एक ही पृष्ठ पर हों। जिससे आप उन चीजों पर सहमत हों। तो मेरी बेटी, जिसने उस वकील से शादी की। खैर, यह पता चला कि मेरी बेटी ने इस वकील आदमी से शादी की और वे आपस में भिड़ गए इसलिए मुझे ईमानदारी से लगा कि वे एक-दूसरे को मार डालेंगे। मुझे लगा कि मेरे दरवाजे पर कोई है, या तो वह या मेरी बेटी एक-दूसरे पर चाकू से हमला करने वाले हैं। यह इतना गर्म होने वाला था। लेकिन मैं यह कह रहा हूँ कि जब वे अपने तर्क में आपस में भिड़ते हैं, तो वे दोनों बेहद दयालु और उदार लोग हैं। वे दोनों। मेरी बेटी आपको अपनी कमीज़ उतारकर दे देती जबकि उसके पास केवल एक कमीज़ होती। उसके पास दो कमीज़ होनी चाहिए। आपके पास एक कमीज़ होनी चाहिए। लेकिन वे थे, मुझे खेद है, लेकिन आप जानते हैं, हम इस वाक्यांश का उपयोग कैसे करते हैं? आपकी कमीज़ उतारकर। लेकिन वैसे भी, तो वह नहीं, मैं गंभीर हूँ अगर आप मेरी बेटी से मिलते हैं, तो वह आपको अपनी पीठ से शर्ट उतार कर दे देगी। रॉबर्ट, उसके पति, पिता जब छह या 15, 16 साल के थे, तब चले गए। रॉबर्ट ने अपने भाइयों और बहनों का पालन-पोषण किया और रॉबर्ट ने अपनी माँ की देखभाल की और रॉबर्ट ने 16 साल की उम्र में अपनी माँ की देखभाल की। क्या

यह आदमी करुणा जानता है। क्या यह आदमी करुणा जानता है? हाँ, वह वास्तव में एक दयालु आदमी है और वह अभी भी थोड़ा वकील है। मुझे नहीं पता कि यह कैसे काम करता है, लेकिन वैसे

भी। वह वास्तव में एक दयालु आदमी है। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि बड़ी चीजों पर, मेरी बेटी और वह एक ही पृष्ठ पर हैं। मैं अपनी पत्नी के साथ भी इसी तरह की बातें कहता हूँ। हम एक ही पृष्ठ पर हैं। मैं बहुत सी पागलपन भरी चीजें करता हूँ और मेरी पत्नी इसे सहन करती है क्योंकि वह जो मैं कर रहा हूँ उस पर विश्वास करती है। यह वास्तव में एक अनुकूलता है, मूल स्तरों पर एक तरह की अनुकूलता। वैसे, हम दोनों अंतर्मुखी हैं, इसलिए यह वास्तव में एक दिलचस्प शादी बनाता है। हम दोनों वहाँ बैठते हैं और कोई बात नहीं करता। हम इससे ठीक हैं क्योंकि हम दोनों अंतर्मुखी हैं और इसलिए हर समय बात नहीं करना ठीक है। मैं केवल तभी बात करता हूँ, जब मैं इस तरह कक्षा में होता हूँ। लेकिन कई बार हम बस, ईमानदारी से कहूँ तो, हम बस बैठते हैं और हम साथ होते हैं। मेरा मतलब है कि यह कहना वाकई बहुत अजीब है कि आपने किस बारे में बात की? और इसका जवाब यह है कि हम किसी भी चीज़ के बारे में बात कर सकते हैं। हम बस एक साथ हैं, आप जानते हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ? यह ठीक है। तो यह अजीब है। लेकिन, हाँ, और मुझे लगता है कि मेरा मतलब यह है कि प्यार करना सीखें। प्यार करना सीखें! मुझे लगता है कि यह कुरिन्थियों में बड़ा संदेश है। वैसे, अध्याय 14 और कुरिन्थियों में महिलाओं के बारे में। अध्याय 13 में बाइबल का प्रेम अध्याय था। और इसलिए प्यार करना सीखें और आप बाधाओं के पार प्यार करना सीखें और कई तरीकों से प्यार करना सीखें। मुझे लगता है कि आधुनिक संस्कृति में यही बात मुझे चिंतित करती है कि हमारे पास प्यार करने की क्षमता नहीं है क्योंकि ... वास्तव में प्यार क्या है? मुझे अपनी सूची में यहाँ नीचे जाना है। यह प्यार वाली बात कहाँ है? मुझे कूदने दो।

ठीक है। असल में, मैं यहाँ चीजों पर कूदने के बजाय इसे क्रम से करने की कोशिश करूँगा। लेकिन मैं उस पर वापस आना चाहता हूँ और सीखना चाहता हूँ कि प्यार करना क्या है। किसी दूसरे व्यक्ति से प्यार करना आपके जीवन में अब तक का सबसे मुश्किल काम होगा। मैं आपको यह सीधे-सीधे बता दूँगा। किसी दूसरे व्यक्ति से प्यार करना और आप कहते हैं, अरे नहीं, मैं तो बस उससे प्यार करता हूँ। मैं इस व्यक्ति से पूरी तरह प्यार करता हूँ। इसका जवाब है हाँ, यह आपके रूममेट की तरह है। हाँ, मैं आपके रूममेट के साथ बहुत घुल-मिल जाता हूँ और फिर आप उनके साथ छह महीने रहते हैं और आप कहते हैं, यार, मुझे एक बदचलन आदमी चाहिए या तुम्हें यह या

वह पता है। उस व्यक्ति ने मेरा सामान उधार लिया और कभी वापस नहीं रखा। वे उस पर सारी गंदगी फैला देते हैं। वैसे भी। और इसलिए आप ऐसा करते हैं। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि किसी दूसरे इंसान से प्यार करना आपके जीवन में अब तक का सबसे मुश्किल काम है। यह सबसे बड़ी चीजों में से एक है। यह सबसे बड़ी चीजों में से एक है। लेकिन प्यार क्या है? अध्याय 13 पर आने से पहले मैं बस इतना ही कहना चाहता हूँ। मैं बस इतना कहना चाहता हूँ कि अगापे प्रेम आत्म-बलिदान प्रेम है, आत्म-बलिदान प्रेम। इसका मतलब है कि आप दूसरे व्यक्ति की खातिर खुद को बलिदान कर देते हैं। मैं जो देख रहा हूँ वह यह है कि हर कोई कह रहा है, मेरे पास मेरे अधिकार हैं, मेरे पास मेरे अधिकार हैं, मेरे पास मेरे अधिकार हैं। फिर जो होता है वह यह है कि यह सब मैं, मैं, मैं हो जाता है। जब आप किसी से प्यार करते हैं तो आप मैं, मैं, मैं नहीं हो सकते। यह उनके बारे में होना चाहिए और आपको यह सुनना होगा कि उनमें क्या है, उनमें क्या है और उन्हें क्या प्रेरित कर रहा है। आपको इसके प्रति सजग होना होगा। तो यह आपकी ओर से बलिदान है। तो आप वह त्याग करते हैं जो आपको पसंद है और जिसकी आप सही तरीके से माँग कर सकते हैं। आप इसे किसी और की खातिर त्यागते हैं। क्या यह आत्म-बलिदान किसी और की तरह नहीं लगता? हम नए नियम में पढ़ते हैं, मुझे लगता है कि उसका नाम यीशु था। लेकिन यही अगापे प्रेम है। यह इरोस लव का विपरीत नहीं है, इरोस लव तब होता है जब मैं अपने लिए लेता हूँ और वासना करता हूँ। यह उपभोग करने वाला अगापे लव है जो दूसरे व्यक्ति को देता है। और मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि ऐसा लगता है कि पीढ़ियों में मैंने अगापे की मृत्यु देखी है। एक प्रेम वह है जो अब हमारी संस्कृति में हो रहा है। लोग एक-दूसरे के गले पर हैं। लोग एक-दूसरे के गले पर हैं। पिछले 3 वर्षों में हमारे द्वारा किए गए राजनीतिक विमर्श को देखें।

वास्तव में मैं जिस तरह से राजनीतिक भाषण देने जा रहा हूँ, वैसा ही भाषण दें, इसलिए ऐसा न करें। यह मेरा राजनीतिक भाषण होगा और यह केवल एक दिखावा है। ऐसा मत सोचो कि तुम मेरी राजनीति के बारे में जानते हो, लेकिन "मैं अमेरिका को महान बनाने जा रहा हूँ।" मैं अमेरिका को महान कैसे बनाऊँगा? उन्हें एक-दूसरे से प्यार करना सिखाओ, जिससे अमेरिका महान बनेगा, लेकिन मुझे ऐसा कोई नहीं दिखता जो इस बारे में बात करे। तो शैतान को सौंपना, शायद यही है जो

तुम लोग इस समय मेरे साथ करना चाहते हो। लेकिन चलो वहाँ चलते हैं--अध्याय 5। मैं इसे संक्षेप में बताता हूँ क्योंकि यह यहाँ काफी सीधा है। अध्याय 5 में एक आदमी है जो अपने पिता की पत्नी के साथ सो रहा है। यह अच्छा नहीं है। इसके बारे में सोचो। वह आदमी अपने पिता की पत्नी के साथ सो रहा है। फिर भी चर्च को इससे कोई आपत्ति नहीं है। पॉल घबरा जाता है और कहता है कि अध्याय 5 श्लोक 5 में इस आदमी को सौंप दो और उसके आसपास, वह कहता है, इस आदमी को सौंप दो, इसे उसके शरीर के विनाश के लिए शैतान को सौंप दो। इसे शैतान को सौंप दो। शैतान को सौंपने का क्या मतलब है? क्या यह किसी तरह का पंथ है जहाँ आप किसी व्यक्ति को अंदर ले जाते हैं और रात में मोमबत्तियाँ जलाते हैं और उसे शैतान को सौंप देते हैं। और फिर वह पिशाच या कुछ और बनकर वापस आता है? नहीं। शैतान को सौंपने का क्या मतलब है? शैतान को सौंपने का मतलब है कि आप उसे चर्च से बाहर कर देते हैं। आप उन्हें चर्च से बाहर कर देते हैं और इसका मतलब यह है कि चर्च अनुशासन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली प्रक्रिया क्या है? चर्च अनुशासन की प्रक्रिया मैथ्यू 18 में है। अगर मुझे किसी से कोई समस्या है, अगर मुझे किसी से कोई समस्या है, तो मैं जो करता हूँ और यही हम कल बहस कर रहे थे, अगर मुझे किसी से कोई समस्या है, तो मैं उस व्यक्ति के पास जाता हूँ। नहीं, पहले आपको गपशप करनी होगी। अगर आपको किसी से कोई समस्या है, तो आप पहले गपशप करते हैं। ठीक है। और गपशप बदनामी है। तो, ठीक है, हम इसे टेप से हटा देंगे। हाँ। यह व्यंग्य था। ऐसा मत करो। लेकिन वैसे भी, आपको किसी से कोई समस्या है। आप सीधे उस व्यक्ति के पास जाएं और मामले को सार्वजनिक रूप से नहीं, बल्कि आप दोनों के बीच निजी तौर पर सुलझाने का प्रयास करें।

अगर वह व्यक्ति आपकी बात नहीं सुनता और आपके पास अभी भी अनसुलझे मुद्दे हैं और अभी भी कोई समस्या है जैसे कि यह आदमी अपने पिता की पत्नी के साथ सो रहा है। तो आप क्या करते हैं? आप सीधे उसके पास जाते हैं और कहते हैं कि यह एक समस्या है। आपको अपने पिता की पत्नी के साथ नहीं सोना चाहिए। या अगर आप जॉन बैपटिस्ट हैं, तो आप कहते हैं, अरे, आपको अपने भाई की पत्नी के साथ नहीं सोना चाहिए। फिर राजा आपसे कहता है कि आपका सिर कटने वाला है। तो आप उस व्यक्ति के साथ आमने-सामने जाते हैं। अगर वह यह नहीं सुनता है, तो आप

गवाहों को स्थापित करने के लिए दो या तीन लोगों के साथ वापस जाते हैं। आप दो या तीन लोगों के साथ वापस जाते हैं और आप मूल रूप से यह स्थापित करते हैं कि उसे बताया गया है और आप उस व्यक्ति के साथ काम कर रहे हैं। तो दो या तीन लोगों के साथ जाएं। तो आप आमने-सामने जाते हैं, आप दो या तीन लोगों के साथ जाते हैं। अगर वह फिर भी दो या तीन लोगों की बात नहीं सुनता है और फिर भी पीछे नहीं हटता है, तो आप इसे पूरे चर्च में ले जा सकते हैं। अगर वह मैथ्यू 18 में चर्च की बात नहीं सुनता है, अगर वह पूरे चर्च की बात नहीं सुनता है तो यह एक समस्या है। ध्यान दें कि इसे यथासंभव निजी रखा जाना चाहिए। आप किसी के पाप को इस तरह उजागर नहीं करते हैं। आप इसे यथासंभव निजी रखते हैं। लेकिन अगर वह फिर भी पश्चाताप नहीं करता है, तो आप इसे पूरे चर्च में ले जाते हैं। अगर वह पूरे चर्च की बात नहीं सुनता है, तो आप उन्हें चर्च से बाहर कर देते हैं। यह शैतान को सौपना होगा, कि आप वास्तव में उन्हें चर्च से बाहर कर देते हैं। तब वह शैतान के क्षेत्र में है और वह मसीह के चर्च में, मसीह के शरीर में नहीं है। और इसलिए यह शैतान को सौपना है, मुझे लगता है कि यह उन्हें चर्च से बाहर करना है।

अब अगला अध्याय 15, श्लोक 29 है। यह एक पेचीदा मुद्दा है और इसका संबंध मृतकों के बपतिस्मा से संबंधित कुछ बातों से है। इसलिए मॉर्मन मृतकों के बपतिस्मा में विश्वास करते हैं। मॉर्मन अब ईसाई होने का दिखावा करते हैं और उनमें से बहुत से लोग वास्तव में मॉर्मन को इंजीलवाद से जोड़ना पसंद करते हैं। ऐसा लगता है कि इस तरह का मॉर्मनवाद है। हम भी ईसाई हैं। चर्च ऑफ जीसस क्राइस्ट ऑफ लैटर डे सेंट्स, चर्च ऑफ जीसस क्राइस्ट। इसलिए वे इस तरह के थे। वे जो करते हैं वह 1 कुरिन्थियों 15:29 पर आधारित है। यह कहता है, "अब, यदि पुनरुत्थान नहीं है," अध्याय 15 पुनरुत्थान के बारे में है। "वे क्या करेंगे? मृतकों के लिए कौन बपतिस्मा लेता है?" तो यह क्या है? "वे क्या करेंगे? मृतकों के लिए कौन बपतिस्मा लेता है?" वैसे, क्या आप मृतकों के लिए बपतिस्मा देते हैं? तो "वे क्या करेंगे? जो लोग मरे हुआओं को बपतिस्मा देते हैं, अगर मरे हुआओं को नहीं उठाया जाता, तो लोग उनके लिए बपतिस्मा क्यों लेते हैं?" तो मॉर्मन लोग, वे मरे हुआओं के लिए बपतिस्मा देते हैं। दूसरे शब्दों में, आप नहीं जानते कि आपके दादा ईसाई थे या नहीं। आप अपने दादा के लिए बपतिस्मा लेंगे, ताकि उन्हें कुछ अतिरिक्त अंक या कुछ और मिल सके।

इसलिए मॉर्मन चर्च ने बपतिस्मा देना शुरू कर दिया। मॉर्मन चर्च वास्तव में वंशावली में है। इसलिए उन्होंने इन वंशावली का पीछा किया और फिर वे इन वंशावली में मौजूद इन मरे हुआओं के लिए लोगों को बपतिस्मा देते हैं। अब, उनकी एक समस्या यह थी कि

कि मॉर्मन ने 700 मिलियन से ज़्यादा लोगों को बपतिस्मा दिया है। ये लोग जो मर चुके हैं। मॉर्मन ने हाल ही में इन लोगों को बपतिस्मा दिया, कुछ यहूदियों ने इस पर आपत्ति जताई क्योंकि उन्होंने यहूदी लोगों को मसीह में बपतिस्मा देना शुरू कर दिया था। आप देखिए, यहूदी लोग मसीह को नहीं जानते। इसलिए मॉर्मन मृत यहूदियों को बपतिस्मा देंगे ताकि उन्हें ईसाई धर्म में शामिल किया जा सके। वैसे, यहूदियों को यह पसंद नहीं है कि इन लोगों को इस समूह, मॉर्मन में बपतिस्मा दिया जा रहा है। इसलिए यहूदी शिकायत कर रहे हैं कि आप मेरे चाचा एवी, एविरोम या ऐसे ही किसी और के लिए किसी को बपतिस्मा नहीं देते। आप ऐसा नहीं करते। इसलिए यहाँ कुछ आपत्ति है। मृतकों के लिए यह बपतिस्मा क्या है? आपके कोई भी चर्च ऐसा नहीं करते। क्या इससे कोई लाल झंडा उठना चाहिए जब कोई कहता है कि आपको मृतकों के लिए बपतिस्मा लेना है। आप कहते हैं, हम अपने चर्च में ऐसा नहीं करते। इससे लाल झंडा उठना चाहिए। नंबर एक, आप इस अंश को कैसे समझते हैं? इसे देखने के कई तरीके हैं। अब मॉर्मन इसे प्रतिनिधि बपतिस्मा के रूप में करते हैं। मैं किसी और के लिए बपतिस्मा ले सकता हूँ। मैं किसी ऐसे मृत व्यक्ति के लिए बपतिस्मा ले सकता हूँ जिसे कभी मसीह में बपतिस्मा नहीं दिया गया। मैं किसी के लिए बपतिस्मा ले सकता हूँ। तो यह प्रतिनिधि बपतिस्मा होगा। मैं किसी और के लिए बपतिस्मा लेता हूँ। कुछ लोग इस अंश को लेते हैं और वे मूल रूप से कहते हैं कि यह प्रतिस्थापन के लिए है, दूसरे शब्दों में, मैं बपतिस्मा लेता हूँ क्योंकि मेरे पिता मर गए और मैं चर्च में उनकी जगह लेने के लिए बपतिस्मा लेता हूँ? तो चर्च के लोग मर रहे हैं और नए लोग चर्च में बपतिस्मा ले रहे हैं। चर्च में बपतिस्मा लेने वाले नए लोग उन लोगों की जगह ले रहे हैं जो मर चुके हैं। तो वे मृतकों के स्थान पर बपतिस्मा लेते हैं। और यह संभव है। लेकिन यह फिर से है, मुझे नहीं पता, यह मुझे थोड़ा अजीब लगता है।

एक दृष्टिकोण जो मुझे पसंद है वह यह है कि पॉल यह नहीं कह रहा है कि वह मृतकों के लिए बपतिस्मा देता है। वह जो कह रहा है, ध्यान दें, मुझे इस आयत को फिर से पढ़ने दें। यह कहता है, "अब अगर पुनरुत्थान नहीं है। तो वे क्या करेंगे? जो मृतकों के लिए बपतिस्मा लेते हैं?" क्या वह कह रहा है कि हम ऐसा करते हैं? वह यह नहीं कह रहा है कि हम ऐसा करते हैं। वह कह रहा है, जो लोग मृतकों के लिए बपतिस्मा लेते हैं वे क्या करेंगे? तो यह संभव है कि वह किसी विधर्मी समूह का उल्लेख कर रहा हो और वह कह रहा हो कि यह विधर्मी समूह भी जानता है कि पुनरुत्थान होता है क्योंकि उन्होंने मृतकों के लिए बपतिस्मा लिया था। और बपतिस्मा किसका प्रतीक है? मृत्यु, दफन और पुनरुत्थान। तो यह विधर्मी समूह भी पुनरुत्थान में विश्वास करता है। ध्यान दें कि वह कैसे कहता है, यह कहता है, "जो लोग मृतकों के लिए बपतिस्मा लेते हैं वे क्या करेंगे? अगर मृतकों को बिल्कुल भी नहीं उठाया जाता है, तो वे लोग, लोग उनके लिए बपतिस्मा क्यों लेते हैं?" "उनके लिए।" ध्यान दें कि वह हमारे लिए नहीं कहता है, वह उनके लिए कहता है। और इसलिए यह संभव है कि यह एक विधर्मी समूह है जो कुरिन्थ में अभ्यास कर रहा था। और पॉल कह रहा है, देखो ये लोग भी समझते हैं कि पुनरुत्थान है और वे विधर्मी हैं। हम मृतकों के लिए बपतिस्मा नहीं करते। तो यह भी एक संभावना है। अन्य लोगों ने कहा कि मृतकों के कारण बपतिस्मा दें। और फिर, यह भाषा को आगे बढ़ा रहा है। मुझे यह भी पसंद नहीं है। स्टीफन मर गया और जो बपतिस्मा लेता है, स्टीफन पॉल की मृत्यु के माध्यम से स्टीवन बच जाता है। और इसलिए एक निश्चित अर्थ में स्टीफन पॉल की मृत्यु के कारण बपतिस्मा लेने और विश्वासी बनने के बीच का संबंध है।

एक और दृष्टिकोण जो वहाँ है, वह है पुनरुत्थान की आशा में मृतकों की प्रत्याशा में बपतिस्मा लेना। वे मृतकों के लिए बपतिस्मा लेते हैं, दूसरे शब्दों में, मृतकों के लिए, मसीह, पुनरुत्थान की आशा करते हुए। यह दिलचस्प था। मैंने इसमें पढ़ा, इस NIV बाइबिल पर अध्ययन नोट बहुत दिलचस्प हैं। तो वह लोगों द्वारा इस पर रखे गए विभिन्न पदों का वर्णन कर रहा है, और यह कहता है: "किसी भी दर पर, पॉल ने इस प्रथा का उल्लेख लगभग गुजरते हुए किया है, मृतकों के पुनरुत्थान को प्रमाणित करने वाले अपने तर्कों में इसका उपयोग किया है। लेकिन अभ्यास को साबित किए बिना, मार्ग, मार्ग संभवतः अस्पष्ट रहेगा।" "मार्ग संभवतः अस्पष्ट रहेगा।" दूसरे शब्दों में, मैं आपको जो

बता रहा हूँ वह यह है कि क्या मैं इनमें से किसी भी स्पष्टीकरण के बारे में सहज महसूस करता हूँ जो मैंने अभी दिया है? मुझे लगता है कि मॉर्मन वाला निश्चित रूप से चर्चा से बाहर है। यह सही नहीं है। इन अन्य लोगों के संबंध में, मैं उनमें से किसी के बारे में वास्तव में मजबूत महसूस नहीं करता। मैं उन सभी में खामियाँ देख सकता हूँ। तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि मैं यहाँ NIV नोट्स से सहमत हूँ। यह कहता है, यह अस्पष्ट अंश बाइबल में और कहाँ मृतकों के लिए बपतिस्मा लेने की बात करता है? कुछ अर्थों में, यह एकमात्र अंश है जो इसका उल्लेख करता है। तो यह, वैसे, एक मुद्दा उठाता है और अब यह एक महत्वपूर्ण सिद्धांत है और यही वह है जो मैंने इन महत्वपूर्ण सिद्धांतों पर वापस आने की कोशिश की। यदि आपके पास यहाँ एक अस्पष्ट श्लोक है, 1 कुरिन्थियों 15:29 में मृतकों के लिए बपतिस्मा के बारे में बात कर रहा है। आपके पास एक अस्पष्ट श्लोक है। कोई भी वास्तव में नहीं जानता कि इसका क्या अर्थ है। वे आपको चार या पाँच अलग-अलग विकल्प देते हैं। लेकिन कोई भी वास्तव में नहीं जानता कि इसका क्या अर्थ है। मॉर्मन चीज़ टेबल पर नहीं है, लेकिन वहाँ अन्य चार व्याख्याएँ हैं और यह बताना कठिन है। क्या आप अपने प्रमुख सिद्धांत को इस पर आधारित करते हैं?

यहाँ मैं बस इतना ही कहना चाहता हूँ: मुख्य बातों पर मुख्य और छोटी बातों पर छोटी। मुख्य बातों पर मुख्य, क्या बाइबल यीशु मसीह के मरने और मृतकों में से जी उठने के बारे में बात करती है? क्या इस बारे में बार-बार बात की जाती है और अगर आपको सुसमाचार में यह पसंद नहीं है, तो आप 1 कुरिन्थियों 15 पर जाएँ और पॉल आपको एक पूरा अध्याय देता है। अगर आप पुनरुत्थान में विश्वास नहीं करते हैं तो वह पुनरुत्थान का विस्तार से समर्थन करता है। फिर वह पूरे पुनरुत्थान के बारे में बताता है। पुनरुत्थान पर एक पूरा अध्याय। क्या यीशु मसीह का पुनरुत्थान एक बड़ी बात है, एक प्रमुख सिद्धांत है? और आप कैसे कह सकते हैं कि यह एक प्रमुख सिद्धांत है? इसके बारे में बार-बार बात की जाती है। क्या यीशु ने हमारे पापों के लिए अपना खून बहाया? परमेश्वर के मेमने को देखो जो दुनिया के पाप को दूर करता है। यीशु हमारे पापों के लिए मरता है। और अगर हम अपने पापों को स्वीकार करते हैं, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने के लिए वफादार और न्यायी है। इसीलिए मसीह आया। ताकि उन प्रकार की मुख्य बातें, मसीह का प्रायश्चित, हमारे पापों से औचित्य

और वे सभी चीजें। उन पर पूरे शास्त्र में चर्चा की गई है। यह श्लोक एक छोटा श्लोक है जिसके बारे में इस एक जगह चर्चा की गई है। हम नहीं समझ पाते कि इसका क्या मतलब है। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि एक श्लोक की छोटी शिक्षा पर बड़े सिद्धांत न बनाएँ। एक श्लोक पर मत जाइए। अगर शास्त्र में इसका सिर्फ़ एक बार ही ज़िक्र किया गया है। एक ईंट पर पूरी संरचना बनाने के बारे में सावधान रहें। क्या आप जानते हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ? एक श्लोक है और आप इस पूरी संरचना का निर्माण करते हैं और अब वे 700 मिलियन लोगों को बपतिस्मा दे रहे हैं। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि यह बहुत ज़्यादा है। यह एक श्लोक है और इसका उतना महत्व नहीं है। इसलिए मुख्य, छोटे और छोटे पर ध्यान दें।

इसलिए जब मैं बड़ा हुआ, तो हमारे चर्च में कहा जाता था कि आप कैसे जानते हैं कि कोई व्यक्ति अच्छा व्यक्ति है? खैर, वे नाचते नहीं थे, धूम्रपान नहीं करते थे, फ़िल्में नहीं देखते थे या कुछ और नहीं करते थे। और इसका मतलब था कि आप सवाल कर रहे थे, क्या ये वाकई शास्त्र के मुख्य विषय हैं? नहीं, वे नहीं हैं। इसलिए मैं जो कह रहा हूँ, वह यह है कि शास्त्र में बड़ी चीज़ों के साथ मुख्य विषयों पर ध्यान देना सीखें। आप बड़ी चीज़ों को कैसे पहचानते हैं? उनका बार-बार ज़िक्र किया जाता है। उनका बार-बार ज़िक्र किया जाता है और उन प्रकार की चीज़ों पर कोई सवाल नहीं है। और इसलिए आप लगभग छोड़ सकते हैं, किसी ने मुझसे पूछा कि मैं क्या मानता हूँ और मैंने कहा, "मैं सर्वशक्तिमान ईश्वर पिता, स्वर्ग और पृथ्वी के निर्माता और यीशु मसीह में विश्वास करता हूँ ... क्या यह किसी को परिचित लगता है। प्रेरितों का पंथ, क्या यह एक बहुत अच्छा कथन है, शास्त्र में प्रमुख बातों का सारांश? इसलिए इन आयतों पर जाने के बारे में सावधान रहें जो अस्पष्ट हैं। बस इतना ही मैं कह रहा हूँ कि इन आयतों पर जाने के बारे में सावधान रहें जो अस्पष्ट हैं। अब, आपको बता दूँ, चलो एक ब्रेक लेते हैं और फिर वापस आते हैं। हम 1 कुरिन्थियों को समाप्त करेंगे और 2 कुरिन्थियों को करेंगे। तो चलो एक ब्रेक लेते हैं। चलो चलते हैं और खत्म करते हैं। हम यहाँ कुछ मुख्य बिंदु बनाएंगे और बस कुरिन्थियों के पत्रों में कुछ चीज़ों को एक साथ लाने की कोशिश करेंगे। वैसे, डॉ. हंट कुरिन्थियों के पत्रों पर एक कोर्स पढ़ाते हैं जहाँ वे इसके बारे में विस्तार से बताते हैं। 2

कुरिन्थियों, जो दिलचस्प होना चाहिए और आपके पूरे कोर्स को ले जाएगा। कुरिन्थियों की पुस्तक में ढेर सारी समस्याएं सामने आती हैं।

अगर मैं आप लोगों से पूछूँ कि लोगों का मुख्य उद्देश्य क्या है? आप क्या कहेंगे? लोगों का मुख्य उद्देश्य क्या है? क्या कोई इसका उत्तर जानता है? लोगों का मुख्य उद्देश्य महिमा करना है और बाकी लोग परमेश्वर की महिमा करना और कहना चाहते हैं कि, मैं जानता हूँ कि बाकी लोग हमेशा उसका आनंद लेते हैं। ठीक है। परमेश्वर की महिमा करना और हमेशा उसका आनंद लेना। यह कथन कहाँ से आया है। यह वेस्टमिंस्टर स्वीकारोक्ति से एक शास्त्रीय कथन है। यह कहाँ से आया है? "मनुष्य का मुख्य उद्देश्य परमेश्वर की महिमा करना और हमेशा उसका आनंद लेना है।" यह 1 कुरिन्थियों के अध्याय 10, श्लोक 31 से आता है। यह कहता है, "इसलिए चाहे तुम खाओ या पीओ या जो कुछ भी करो, सब कुछ परमेश्वर की महिमा के लिए करो।" तो "तुम जो कुछ भी करो, चाहे तुम खाओ या पीओ या जो कुछ भी करो, सब कुछ परमेश्वर की महिमा के लिए करो।" तो यह लोगों के मुख्य उद्देश्य के लिए एक अच्छा कथन प्रतीत होता है। हमारा अंतिम लक्ष्य परमेश्वर की महिमा करना और हमेशा उसका आनंद लेना है। मुझे लगता है कि अगर मैं ऐसा होता, तो मैं धर्मशास्त्री प्रकार का नहीं होता, लेकिन क्या होगा अगर मैं इसे थोड़ा सा बदलने जा रहा हूँ, मैं कह सकता हूँ, "लोगों का मुख्य उद्देश्य क्या है?" "यीशु ने क्या कहा कि दो सबसे महत्वपूर्ण बातें क्या हैं जिन पर पूरा कानून और भविष्यद्वक्ता टिके हुए हैं। क्या? "ईश्वर से प्रेम करो और अपने पड़ोसी से अपने समान प्रेम करो।" जब मैं सोचता हूँ कि लोगों का मुख्य उद्देश्य क्या है, तो मुझे लगता है कि मेरे लिए यही उत्तर है कि ईश्वर से अपने पूरे दिल, आत्मा और दिमाग से प्रेम करो। वैसे, क्या इसका मतलब है और निश्चित रूप से, मुझे आशा है कि गॉर्डन कॉलेज में आप लोगों को यह पहले ही सिखाया जा चुका है। क्या इसका मतलब है कि आप ईश्वर की महिमा के लिए रसायन शास्त्र का अध्ययन कर सकते हैं? क्या इसका मतलब है कि आप ईश्वर की महिमा के लिए भौतिकी का अध्ययन कर सकते हैं? ठीक है, शायद भौतिकी नहीं [बस मज़ाक कर रहा हूँ, डॉ. डेविड ली से बात करें, वे आपको बताएंगे कि कैसे], लेकिन क्या आप ईश्वर की महिमा के लिए जीवविज्ञान कर सकते हैं? और ईश्वर की महिमा के लिए गणित भी कर सकते हैं। आप शिक्षण कर सकते हैं, आप कला कर सकते हैं,

आप कर सकते हैं, आप जानते हैं, अंग्रेजी साहित्य, अंग्रेजी, ईश्वर की महिमा के लिए सभी प्रकार के विषय? आप जिस भी विषय में हैं, हम देखते हैं कि यहाँ सभी सत्य, सभी सत्य ईश्वर का सत्य है। इसलिए आप जिस भी विषय में हैं, आप कर सकते हैं परमेश्वर की महिमा के लिए। तो यह वास्तव में एक रोमांचक बात है। तो परमेश्वर की महिमा लोगों का मुख्य उद्देश्य है।

यह एक ऐसा सिद्धांत है जिसका मैं खुद व्यक्तिगत रूप से उपयोग करता हूँ। इसे मैं एक कदम सिद्धांत कहना चाहता हूँ; एक कदम सिद्धांत। इसका यही अर्थ है। "तो यदि आपको लगता है कि आप दृढ़ हैं," और यह अध्याय 10, श्लोक 12 से है। "तो यदि आपको लगता है कि आप दृढ़ हैं, तो सावधान रहें। आप गिरें नहीं।" "यदि आपको लगता है कि आप दृढ़ हैं, तो सावधान रहें। आप गिरें नहीं। कोई भी प्रलोभन आपको नहीं पकड़ता सिवाय इसके कि जो लोगों के लिए सामान्य है और परमेश्वर विश्वासयोग्य है। वह आपको आपकी सहनशक्ति से परे प्रलोभन में नहीं पड़ने देगा, लेकिन जब आप प्रलोभन में पड़ेंगे, तो वह एक रास्ता भी प्रदान करेगा ताकि आप इसके तहत खड़े हो सकें।" मैं इसे एक-चरण सिद्धांत कहना चाहता हूँ। इसका क्या अर्थ है, मैं बस यह स्पष्ट करना चाहता हूँ कि मैं इसे कैसे लागू करता हूँ। तो मैंने आपको बताया कि मैंने अधिकतम सुरक्षा जेल में 10 साल तक काम किया। तो मैं इस अधिकतम सुरक्षा जेल में जाता हूँ। ये सभी लोग वहाँ हैं, ठीक है जब आप अधिकतम सुरक्षा जेल में हैं, तो लोग वहाँ क्यों हैं? क्या वे कार चोरी करने के लिए वहाँ हैं? वे ठीक हैं। वे किसी भी तरह से वहाँ हैं, वे हत्या के लिए वहाँ हैं। वे बलात्कार के लिए वहाँ हैं। वे बच्चों के लिए वहाँ हैं। वे बुरे कामों के लिए वहाँ हैं और ये लोग 25, 30 साल के लिए वहाँ हैं। अब जब मैं इन लोगों से मिलता हूँ और ये लोग सभी हत्यारे और बलात्कारी हैं, बड़े-बड़े काम, क्या मैं खुद को उनसे बेहतर मानता हूँ या जैसा कि मेरी पत्नी कहती है, उनसे बेहतर? जवाब है नहीं। नहीं। तो मुझे लगता है कि मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि आप लोगों को वहाँ देखते हैं लेकिन भगवान की कृपा से, मैं जाता हूँ। और मुझे लगता है कि यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण वाक्यांश है: "वहाँ। लेकिन भगवान की कृपा से, मैं जाता हूँ।" तो भले ही इनमें से कुछ लोगों ने अपने जीवन में बहुत बड़ी गड़बड़ की हो "वहाँ लेकिन भगवान की कृपा से, मैं जाता हूँ।" अब यह एक कदम का सिद्धांत था। मुझे नहीं लगता कि मैं इतना अच्छा हूँ कि मेरे साथ ऐसा कभी नहीं हो सकता। यह एक कदम

है और आप अपने चेहरे पर गिर जाते हैं। एक कदम और आप अपने चेहरे पर गिर सकते हैं। तो यह इस बात से आता है कि अगर आप सोचते हैं

कि तुम दृढ़ रहो, सावधान रहो कि तुम गिर न जाओ। यह मत सोचो कि मैं दूसरे व्यक्ति से बेहतर हूँ, इससे अहंकार, अभिमान और अहंकार पैदा होता है। अहंकार एक बड़ी समस्या है। अभिमान और अहंकार एक बड़ी समस्या है। इसलिए मुझे लगता है, मैं कैसे कहूँ कि जब हम लोगों से मिलते हैं, तो हमें उन्हें भगवान की छवि के रूप में देखना चाहिए और विभिन्न तरीकों से हमारे बराबर होना चाहिए। तो एक कदम का सिद्धांत, "जो सोचता है कि वह खड़ा है, सावधान हो क्योंकि अगली बात यह हो सकती है कि वह गिर जाए। प्रेम अध्याय 1 कुरिन्थियों 13 है। जब मैं एक युवा व्यक्ति था, तो मैं इस अध्याय को हर दिन पढ़ता था क्योंकि मुझे याद नहीं है कि यह इतना लंबा था। यह एक साल या ऐसा ही कुछ था। मैंने इसे हर अध्याय, हर दिन पढ़ा। मैं यह पता लगाना चाहता था कि प्रेम क्या है। मुझे उस समय यकीन नहीं था कि मैं वास्तव में इस बात से जूझ रहा था कि मेरे माता-पिता मुझसे प्यार करते हैं या नहीं। मैं एक तरह से एक अप्रिय बच्चा था। मुझे आश्चर्य होता था कि क्या मेरे माता-पिता मुझसे प्यार करते हैं और फिर मुझे आश्चर्य होता था कि क्या मैं किसी अन्य व्यक्ति से प्यार कर सकता हूँ। मुझे यकीन नहीं था कि मैं कर सकता हूँ, मुझे यकीन नहीं था कि मैं जानता भी हूँ कि प्रेम क्या है। मुझे यह भी यकीन नहीं था कि मैं जानता भी हूँ कि प्रेम क्या है। इसलिए मैं इस अध्याय को बार-बार पढ़ता था। 1 कुरिन्थियों 13 पूरी बाइबल में सबसे अविश्वसनीय अध्यायों में से एक है। यह कहता है, "यदि मैं मनुष्यों और स्वर्गदूतों की भाषाओं में बोलूँ," तो वहाँ आपको अपने आध्यात्मिक उपहार मिलते हैं। "यदि मैं मनुष्यों और स्वर्गदूतों की भाषाओं में बोलूँ," तो वहाँ आपको अपने आध्यात्मिक उपहार मिलते हैं। मनुष्यों और स्वर्गदूतों की भाषाएँ, लेकिन प्रेम नहीं है, मैं एक गूँजती हुई घंटी या झनकार का प्रतीक हूँ। प्रेम है," प्रेम क्या है? प्रेम धैर्यवान है।" कोई बेहतर तरीका होना चाहिए। धैर्यवान, वह क्यों शुरू करता है? और यह था "प्रेम धैर्यवान है। प्रेम दयालु है।" प्रेम दयालु है - मेरे बच्चे, मैंने आपको वास्तव में बताया, मेरे दो बेटे हैं और वहाँ हैं, वे किससे शादी करने जा रहे हैं? वे किसी से शादी करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, उन्होंने मुझे बताया, मैंने कहा, ठीक है, वैसे भी, यह भयानक लगता है। बेहतर होगा कि मैं इसे न कहूँ। यह बहुत बुरा लगता है। लेकिन वैसे

भी, इसलिए वे अपनी माँ का बहुत सम्मान करते हैं और उन्होंने कहा। माँ इतनी अच्छी पत्नी क्यों रही हैं? क्या उन्हें पता था कि वह दयालु है, बस दयालु है। क्या आपने दयालुता और किसी अन्य व्यक्ति के प्रति दयालु होने का अनुभव किया है? प्रेम दयालु है। यह एक बड़ी बात है। प्रेम दयालु है और आप दयालुता चाहते हैं।

यह ईर्ष्या नहीं करता। यह ईर्ष्या नहीं करता। आप पति-पत्नी के बीच ईर्ष्या देखते हैं और पत्नी पति से ईर्ष्या करती है और पति पत्नी से ईर्ष्या करता है। ईर्ष्या आपके रिश्ते को नष्ट कर देती है। "यह घमंड नहीं करता।" इस पर घमंड करें जैसे कोई व्यक्ति खुद को ऊपर रखता है। क्या आपने कभी किसी को शादी में अपनी पत्नी को नीचा दिखाते देखा है? क्या आपने कभी किसी को अपनी पत्नी को नीचा दिखाते देखा है? मुझे यह खुद बहुत अपमानजनक लगता है। मैं आमतौर पर लोगों पर गुस्सा नहीं करता, लेकिन हाल ही में मैं कई संदर्भों में रहा हूँ जहाँ मैंने सुना है कि आदमी अपनी पत्नी के बारे में नकारात्मक टिप्पणी करता है। अब, वैसे, क्या मैं नकारात्मक टिप्पणी कर सकता हूँ? तो मैं बीच में कूद पड़ा और कहा, तो मैं बीच में कूद पड़ा और कहा, तुम्हें मेरी पत्नी से मिलना चाहिए। मेरा मतलब है, जब आप किसी के साथ रहते हैं, तो मैं गंभीर हूँ। जब आप किसी के साथ रहते हैं, तो क्या हर किसी में दोष होते हैं? क्या हर किसी में दोष होते हैं? तो मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि आप उन दोषों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं और आपका विवाह इस तरह चलता है। और क्योंकि हर किसी में दोष होते हैं। तो वह जो कह रहा था वह यह था कि सावधान रहें। घमंड न करें। क्या यह गर्व नहीं है? आप खुद को ऊपर नहीं रखते। इसलिए आप दूसरे व्यक्ति को नीचे रखते हैं। आप खुद को ऊपर नहीं रखते। जो होता है, और मुझे यह कहना चाहिए और फिर मैं अपनी शादी के पहले 10 सालों के बारे में बात कर रहा हूँ, मैं एक बहुत ही असुरक्षित व्यक्ति था। मैं एक बहुत ही असुरक्षित व्यक्ति था। मुझे नहीं पता था कि प्यार वास्तव में क्या होता है। मुझे नहीं पता था कि पिता होना क्या होता है। मुझे नहीं पता था कि बहुत सी चीजें क्या होती हैं। और इसलिए मैं जो कर रहा था और चीजों के बारे में बहुत असुरक्षित था। और इसलिए क्या होता है जब आप, एक असुरक्षित व्यक्ति

क्या असुरक्षित व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति को नीचा दिखाकर अपनी सुरक्षा प्राप्त कर सकता है? इसलिए कई बार मैं आलोचनात्मक टिप्पणी करता हूँ, दूसरे व्यक्ति को नीचा दिखाता हूँ और इस तरह खुद को ऊपर उठाता हूँ। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि मैंने ऐसा करके अपनी शादी को लगभग खत्म कर दिया। और मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि हाँ, प्रेम अभिमानी नहीं होता। प्रेम शेखी नहीं बघारता। विवाह में दूसरे शब्दों में, यदि आप यह शक्ति संघर्ष शुरू करते हैं, एक बार जब आप विवाह का शक्ति संघर्ष शुरू करते हैं, तो आप बड़ी मुसीबत में पड़ जाएँगे। मैं जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है कि यदि आप लोग उत्पत्ति 3 के अंशों को याद करें, तो आप शक्ति संघर्ष को कैसे हरा सकते हैं, वह है शक्ति का त्याग करना। आप शक्ति का त्याग करते हैं। दूसरे शब्दों में, आप कहते हैं, मैं ऐसा नहीं करने जा रहा हूँ। मैं अपनी पत्नी को नीचा नहीं दिखाने जा रहा हूँ। मैं उठने की कोशिश नहीं करने जा रहा हूँ। आप जो करते हैं वह यह है कि आप कहते हैं, क्या? मैं आपकी सेवा कैसे कर सकता हूँ? मैं आपकी सेवा कैसे कर सकता हूँ? और इसलिए यह इसके बारे में सोचने का एक बिल्कुल अलग तरीका है। फिर आपको नहीं लगता कि मैं यह बनने जा रहा हूँ, मैं यह बनना चाहता हूँ, लेकिन मैं आपकी सेवा कैसे कर सकता हूँ? आपको क्या चाहिए? आपको क्या चाहिए? खैर, केले, दूध और मक्खन। मैं गंभीर हूँ। तो जब मैं किराने की दुकान पर जाता हूँ, तो क्या मैं किराने की दुकान पर जाने से पहले इस पागल महिला को फोन करता हूँ? हाँ। वह मुझे बताती है कि उसे क्या चाहिए। यह हमेशा केले ही होते हैं, लेकिन फिर भी। तो और यह उसे जानने का एक हिस्सा है। तो वैसे, कई बार उसे मुझे बताने की ज़रूरत भी नहीं होती क्योंकि मैं पहले से ही जानता हूँ कि उसे क्या चाहिए। इसलिए मैं दुकान पर जाता हूँ और उसे वह देता हूँ जो वह चाहती है। लेकिन यह उस चीज़ का हिस्सा है... वैसे, क्या आप किसी और को इतनी अच्छी तरह से जानते हैं कि आपको पता है कि उन्हें क्या चाहिए? क्या यह ठीक है? आप जानते हैं कि उन्हें क्या चाहिए? उन्हें क्या पसंद है और आप उन्हें खुश करना चाहते हैं?

तो प्रेम अध्याय, "प्रेम दयालु है, प्रेम असभ्य नहीं है। प्रेम असभ्य नहीं है।" क्या आपने देखा है, प्रेम असभ्य नहीं है। "यह स्वार्थी नहीं है। यह स्वार्थी नहीं है। यह आसानी से क्रोधित नहीं होता। यह आसानी से क्रोधित नहीं होता। यह गलत का कोई रिकॉर्ड नहीं रखता। यह गलत का कोई रिकॉर्ड

नहीं रखता।" क्या आप कभी किसी ऐसे विवाद में पड़े हैं जहाँ व्यक्ति वापस चला जाता है, लेकिन आप यह, यह, यह, यह, यह और यह करते हैं। वे उन सभी चीजों की सूची बना सकते हैं जो आपने पिछले आधे साल और अपने बाकी जीवन में गड़बड़ की हैं। तो यह प्रेम, "प्रेम बुराई से प्रसन्न नहीं होता। प्रेम कभी विफल नहीं होता।" तो मैं जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है कि धर्मग्रंथों के महान संदेशों में से एक प्रेम है। क्या ईसाई लोगों को प्रेम का आदर्श होना चाहिए? वैसे, क्या हमारी संस्कृति को बड़े पैमाने पर प्रेम की आवश्यकता है? मैं किसी सामान्य कठपुतली की बात नहीं कर रहा हूँ, बल्कि ऐसे लोगों की बात कर रहा हूँ जो वास्तव में दूसरे व्यक्ति की परवाह करते हैं, और वे किसी चीज़ की परवाह करते हैं। तो यह बस इतना है, क्या आप ऐसे लोगों से मिले हैं, जो वास्तव में आपसे प्यार करते हैं? क्या आप ऐसे लोगों से मिले हैं जो वास्तव में आपसे प्यार करते हैं? मैं एक विभाग में हूँ और मैं कहूँगा कि यह बहुत अजीब है। मैं नहीं चाहता लेकिन मैं स्पष्ट रूप से कहूँगा, मेरा भाई डैन डार्को, जिसे मैं प्यार करता हूँ। मैं उस आदमी से प्यार करता हूँ। जैसे ही मैं ऐसा कहता हूँ, आप कहते हैं, बस अजीबोगरीब हो जाता है और हमारी संस्कृति में जो कुछ भी हो रहा है। नहीं, मैं गंभीर हूँ, लेकिन मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि मेरे विभाग के लोग, डॉ. ग्रीन, आप लोगों ने शायद डॉ. ग्रीन को नहीं देखा होगा, लेकिन वह सेवानिवृत्त हो रहे हैं। मैं आपसे मजाक नहीं कर रहा हूँ। मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान है। वह मेरे लिए एक पिता की तरह हैं और मैं आपको बता दूँ, मैं कह सकता हूँ कि मैं उस आदमी से प्यार करता हूँ। मैं उस आदमी से प्यार करता हूँ, करेन बहुत बढ़िया है और उसकी पत्नी। इसलिए मैं कह रहा हूँ कि मैंने डॉ. विल्सन के साथ काम किया है। अब विल्सन के साथ समस्या यह है कि जब आप उन सभी चीजों को सूचीबद्ध करने जाते हैं जिन्हें आप जानते हैं, तो आप सभी गलत चीजों और चीजों को सूचीबद्ध करते हैं, बदबू आती है कि आपके पास सूचीबद्ध करने के लिए कुछ भी नहीं है। तो यह वास्तव में घृणित है। लेकिन वैसे भी, जोश, उसे मत बताना कि मैंने ऐसा कहा। मुझे याद है कि तुम अभी इस कक्षा में हो। लेकिन वैसे भी, नहीं, डॉ. विल्सन एक अविश्वसनीय व्यक्ति हैं। डॉ. विल्सन एक अविश्वसनीय व्यक्ति हैं और मैं, मैं कैसे कहूँ कि मैं जिन लोगों के साथ काम करता हूँ, मैं कुछ वाकई असाधारण लोगों के साथ काम करता हूँ। क्या यह काम करने के लिए इसे वाकई एक अच्छी जगह बनाता है?

जब आप ऐसे लोगों के साथ काम करते हैं जो आपसे प्यार करते हैं और आप भी उनसे प्यार करते हैं, तो यह वाकई, मुझे नहीं पता, अद्भुत होता है।

तो वैसे भी, प्रेम अध्याय (13) और पुनरुत्थान अध्याय, अध्याय 15. यह है, मुझे बस इतना कहना है, बहुत से आलोचक बाइबल की आलोचना करते थे क्योंकि जैसे यीशु मरे हुआं में से जी उठे थे. उन्होंने कहा कि यह सिर्फ आध्यात्मिक रूप से था कि वे मरे हुआं में से जी उठे. वे वास्तव में शारीरिक रूप से मरे हुआं में से नहीं जी उठे. क्या इससे कोई फ़र्क पड़ता है कि मसीह शारीरिक रूप से जी उठे या सिर्फ आध्यात्मिक रूप से. इससे फ़र्क पड़ता है. तो पॉल 1 कुरिन्थियों 15 में जाता है और वह कहता है कि "उसे दफनाया गया था," वह सुसमाचार देता है "कि उसे दफनाया गया था, कि वह शास्त्रों के अनुसार तीसरे दिन जी उठा, और वह पतरस और फिर बारह को दिखाई दिया." तो आपको 12 लोग उसे देख रहे हैं. वह पतरस को सूचीबद्ध करता है, और फिर 12 को उसके बाद वह एक ही समय में 500 से ज़्यादा भाइयों और बहनों को दिखाई दिया. तो एक साथ 500 लोग. क्या 500 लोगों के साथ ऐसा करना बहुत मुश्किल है जो मसीह को मरे हुआं में से जीवित देखते हैं. मेरा मतलब है कि 500 लोगों ने एक साथ उसे देखा और उनमें से ज़्यादातर अभी भी जीवित हैं। इसलिए पॉल कहते हैं, अगर आपको मेरी बात पर यकीन नहीं है, तो उन्होंने कहा, वे 500 लोग जिन्होंने मसीह को देखा, आप उनसे बात कर सकते हैं। ये लोग अभी भी जीवित हैं। हम इन लोगों की गवाही की पुष्टि कर सकते हैं क्योंकि वे अभी भी जीवित हैं, उनमें से 500। "हालाँकि कुछ लोग सो गए हैं।" अब जब वह कहता है कि कुछ लोग सो रहे हैं, तो वह किस बारे में बात कर रहा है? उन्होंने न्यू टेस्टामेंट क्लास ली और वे सो गए। वैसे भी "और फिर, वह प्रकट हुआ।" यह एक व्यंजना है। व्यंजना क्या है? जब आप कहते हैं कि सो जाओ? यह किसके लिए व्यंजना है? मृत होना। तो "फिर वह जेम्स और फिर सभी प्रेरितों को दिखाई दिया। सबसे आखिर में," वह पॉल को दिखाई दिया। "वह मेरे सामने भी दिखाई दिया, जैसे कि मैं सामान्य रूप से समय से बाहर पैदा हुआ हूँ।" फिर यहाँ उसी पुनरुत्थान अध्याय में एक सुंदर अंश है। इसे देखें। अब क्या कोई, आप कभी किसी चर्च नर्सरी में नर्सरी में गए हैं? एक चर्च में और उन्होंने नर्सरी पर यह श्लोक लिखा है। इसमें कहा गया है, "हम सब सोएंगे नहीं, लेकिन हम सब बदल जाएंगे।" हमारे चर्च में एक नर्सरी थी

और उन्होंने यह श्लोक लिखा है, "हम सब सोएंगे नहीं, लेकिन हम सब बदल जाएंगे।" शांत हो जाइए, यह एक मज़ाक था, लेकिन वैसे, यह अंश वास्तव में किस बारे में बात कर रहा है? इसमें कहा गया है, "हम सब सोएंगे नहीं, लेकिन हम सब एक पल में बदल जाएंगे। पलक झपकते ही, आखिरी तुरही बजने पर। क्योंकि तुरही बजेगी और मुर्दे अविनाशी रूप में जी उठेंगे और हम बदल जाएंगे। क्योंकि नाशवान को अविनाशी रूप में और नश्वर को अमरता को पहनना चाहिए। ओह, मृत्यु। तुम्हारी जीत कहाँ है?" इस जीवन में तुम्हारी जीत कहाँ है? क्या तुम, क्या तुम मृत्यु के आसपास रहे हो? ऐसा लगता है कि मृत्यु जीतती है? लेकिन पॉल कहते हैं, नहीं, "मृत्यु, तुम्हारी जीत कहाँ है? ओह, मृत्यु। तुम्हारा डंक कहाँ है?" पुनरुत्थान वही करता है जो पुनरुत्थान करता है।

मैं बस इस पर चर्चा करूँगा क्योंकि यह अब मेरे दिमाग में आ रहा है। लेकिन एक बार मेरे पिता की अग्राशय के कैंसर से मृत्यु हो गई थी। मैंने शायद आपको यह कहानी पहले भी बताई होगी। मुझे नहीं पता था कि मैं क्या कर रहा था। वह किसी और पर भरोसा नहीं करते थे। मुझे उन्हें मॉर्फिन देना पड़ा। मुझे मॉर्फिन के बारे में कुछ नहीं पता, लेकिन उन्होंने कहा कि आप एक डॉक्टर हैं और वह मेरी माँ पर भरोसा नहीं करेंगे। वह मेरी माँ पर भरोसा नहीं करेंगे कि वह उन्हें मॉर्फिन देंगी। इसलिए मैंने उन्हें यह मॉर्फिन दे दी। मुझे नहीं पता कि मैं क्या कर रहा हूँ। मेरे पिता का निधन हो गया। मैंने कुछ गलतियाँ कीं। मैंने कुछ गलतियाँ कीं और मॉर्फिन दिया। क्या यह कोई समस्या है जब आप उन्हें मॉर्फिन देते हैं? क्या यह कोई समस्या है जब आप इसे गलत करते हैं? हाँ, यह है। मुझे नहीं पता था कि मैं क्या कर रहा था और आधी रात को कुछ हुआ। मैं इसे कभी नहीं भूलूँगा। मुझे भी यही सपना आया है। मेरे पिता का निधन हो गया और कैंसर, अग्राशय के कैंसर से। उसी रात, आठ महीने तक हर रात, मुझे उस रात का वही सपना आया और जो हुआ और मेरे पिता के साथ क्या हुआ। आठ महीने तक हर रात उस सपने में यही हुआ। फिर अगस्त में, मैं इसे कभी नहीं भूलूँगा। उस साल के अगस्त में, अचानक मुझे एहसास हुआ कि मैं उनकी मृत्यु से नहीं उबर सकता। मैं हर रात इससे नहीं उबर सकता था। मैं अपने पिता को फिर से मरते हुए देख रहा था और मैं बस, मैं कैसे कहूँ, उसमें आंशिक रूप से योगदानकर्ता था? क्योंकि मैं

किया। मैं उलझन में था और फिर अचानक अगस्त में मुझे यह बात समझ में आई। पुनरुत्थान होता है। और फिर आप कहेंगे, हिल्डेब्रांट आपको यह समझने में आठ महीने लग गए कि पुनरुत्थान होता है और आप बाइबल पढ़ाते हैं। आपको क्या हो गया है? जो हुआ वह यह था कि मैं मृत्यु से आगे नहीं बढ़ पाया। मैं जो कह रहा हूँ वह पुनरुत्थान है, इसे ग्रीक में एनास्टेसिस कहते हैं। यह दुनिया की सबसे खूबसूरत चीजों में से एक है। पुनरुत्थान होता है। यीशु मरे हुआँ में से जी उठे। यीशु मरे हुआँ में से जी उठे। इसका मतलब है कि मसीह में मरे हुए पहले जी उठेंगे। जब तुरही बजेगी और मसीह आएगा, तो मरे हुए और मसीह पहले जी उठेंगे और हम हमेशा के लिए फिर से मिल जाएँगे। हम हमेशा के लिए फिर से मिल जाएँगे। क्या यह हमारे लिए आशा पैदा करता है? क्या ईसाई हमेशा नकारात्मक लोग होते हैं? दुनिया टूट रही है। अमेरिका खराब हो रहा है, सिवाय इसके कि हम अमेरिका को महान बनाने जा रहे हैं। मुझे खेद है लेकिन आप जानते हैं कि मैं क्या कह रहा हूँ। यह सिर्फ इतना है कि क्या हम नकारात्मक हैं? जवाब है, नहीं। हमारे ईसाई लोग सबसे ज़्यादा आशावान हैं, पुनरुत्थान है। भगवान इस पूरी चीज़ को सही करने जा रहे हैं और हम उन लोगों के साथ हमेशा-हमेशा के लिए रहने जा रहे हैं जिन्हें हम प्यार करते हैं। यह एक सुंदर, सुंदर तस्वीर है। तो 1 कुरिन्थियों 15 में पुनरुत्थान अध्याय यीशु मृतकों में से जी उठे। उन्हें 12 लोगों ने देखा था, उन्हें पीटर ने देखा था। उन्हें पॉल ने देखा था। उन्हें एक बार में 500 लोगों ने देखा था। यह एक शारीरिक पुनरुत्थान था। शारीरिक, इतना कि यीशु ने थॉमस से कहा, क्या? अपनी उँगली रखो, अपनी उँगलियाँ मेरे हाथ में रखो। अपना हाथ मेरे बाजू में रखो। यीशु के पास अभी भी एक भौतिक शरीर था। तो पुनरुत्थान, यह सबसे अविश्वसनीय आशा है जब आप किसी को मरते हुए देखते हैं और जब आप उसमें भाग लेते हैं। यह एक अद्भुत आशा है। यह एक अद्भुत आशा है कि आप उन्हें फिर से देखेंगे

इतिहास में कहानी का संबंध। मुझे नहीं पता कि मैं इसे बहुत विकसित करना चाहता हूँ। आधुनिकतावाद में, यह कुछ इस तरह था जैसे इतिहास तथ्यों से संबंधित है, लेकिन धर्म कहानी है और कहानी काल्पनिक है। इसलिए ईसा मसीह का पुनरुत्थान पूरी तरह से काल्पनिक था। इसलिए जब लोग ईसाई धर्म पर हमला करते हैं, तो एक मुख्य बात यह है कि ईसा मसीह ईश्वर हैं, उन पर

हमला किया जाएगा। बहुत से लोग कहेंगे कि ईसा मसीह वास्तव में ईश्वर नहीं थे। वे महात्मा गांधी या मार्टिन लूथर किंग जैसे थे। फिर वे ईसा मसीह के पुनरुत्थान को भी नकार देंगे। वे कहेंगे, यह सिर्फ एक आध्यात्मिक पुनरुत्थान था? यह सिर्फ एक आध्यात्मिक पुनरुत्थान था। अब, यह वह नहीं है जो पवित्रशास्त्र कहता है। उत्तर आधुनिकतावाद में आप लोग रहते हैं। तो मूल रूप से यह मेरी कहानी है। यह मेरी कहानी है और मैं इसे वैसे ही बताऊंगा जैसा मैं चाहूँगा। इसलिए, दूसरे शब्दों में, आपकी कहानी तथ्यों से जुड़ी हो सकती है या नहीं भी हो सकती है। अब तथ्यों की परवाह कौन करता है? क्योंकि यह मेरी कहानी है और यह मेरे लिए सार्थक है। यही सब मायने रखता है। इसका उत्तर यह है कि यह मायने रखता है। सच्चाई वास्तव में मायने रखती है। यीशु मसीह वास्तव में मृतकों में से जी उठे। इससे फर्क पड़ता है। इससे हमें उम्मीद मिलती है। यह कब्र से परे की उम्मीद है। मृत्यु सबसे बड़ा दुश्मन है। मैं इसे अब इस तरह से देखता हूँ कि यीशु नीचे आते हैं और कहते हैं, ठीक है, तुम लोगों, तुम्हारी सबसे बड़ी समस्या क्या है? लोग कहते हैं, ठीक है, हम मर जाते हैं। यह अच्छी बात नहीं है। फिर यीशु कहते हैं, ठीक है, तुम्हारी सबसे बड़ी समस्या, मैं इसे स्वीकार करूँगा। और वह मृत्यु को स्वीकार करते हैं और मृत्यु को हरा देते हैं। वह मृत्यु को हरा देते हैं।

लेकिन अब बेशक हमारे पास रे कुर्ज़वील है और इसलिए वह हमेशा के लिए जीवित रहने वाला है। इसलिए हमें अब यीशु की ज़रूरत नहीं है क्योंकि हम हमेशा के लिए जीवित रहने वाले हैं। क्या आप सिंगुलैरिटी मूवमेंट के उस आदमी को जानते हैं? उसने गोलियाँ ली हैं और वह कहता है, और वैसे, यह सच हो सकता है, आप लोग 500 या 600 साल तक जीने में सक्षम हो सकते हैं। गंभीरता से, वे इस सब आनुवंशिक सामान के साथ आ रहे हैं। फिर दूसरा सवाल जो आपको पूछना है वह यह है कि क्या आप 500 साल तक जीना चाहते हैं? हाँ, आपको वैसे भी इसके बारे में सोचने की ज़रूरत है। तो चलिए वहाँ से बाहर निकलते हैं। शरीर मंदिर है। यहाँ सुंदर अंश हैं कि हमारा शरीर मंदिर है। "क्या आप नहीं जानते कि आप स्वयं भगवान के मंदिर हैं और भगवान की आत्मा आप में रहती है।" हमारे भौतिक शरीर की पवित्रता के बारे में सुंदर अंश कि हम शरीर हैं और हमारे शरीर मंदिर हैं। एक बदलाव हुआ है। अब आत्मा हमारे अंदर निवास करती है क्योंकि आत्मा वहाँ है।

अब, दूसरा कुरिन्थियन, और मैं इसे जल्दी से पूरा करना चाहता हूँ। मुझे बस 2 कुरिन्थियन करने दें। दरअसल, हम इसे काफी जल्दी करने की कोशिश करेंगे। 2 कुरिन्थियन में, पॉल फिर से कुरिन्थियन चर्च को लिखता है और फिर वह उल्लेख करता है कि यह एक और पत्र है जो उसने लिखा था। तो 2 कुरिन्थियन, वास्तव में अध्याय दो पद चार। वह कहता है, "मैंने तुम्हें बहुत दुःख और अपने दिल की पीड़ा से बहुत आँसू बहाते हुए लिखा है।" तो उसने कहा, मैंने तुम्हें एक और पत्र लिखा है। और वे इसे "आँसू पत्र" कहते हैं। सवाल यह है कि वह किस आँसू पत्र का उल्लेख करता है? उसने कहा, "मैंने इसे तुम्हें दुखी करने के लिए नहीं लिखा, बल्कि तुम्हें यह बताने के लिए लिखा कि तुम्हारे लिए मेरा प्यार कितना गहरा है।" फिर अध्याय सात, पद आठ में, वह कहता है, "भले ही मैंने अपने पत्र से तुम्हें दुःख पहुँचाया हो, मुझे इसका पछतावा नहीं है, हालाँकि मुझे इसका पछतावा था। मैं देखता हूँ कि मेरा पत्र तुम्हें दुःख पहुँचाता है, लेकिन केवल थोड़े समय के लिए" और उसने उन्हें पश्चाताप की ओर अग्रसर किया। तो जाहिर है कि पौलुस ने यह बहुत ही कठोर पत्र लिखा था, जिससे उन्हें आँसू तो आए लेकिन इससे उन्हें पश्चाताप की ओर ले जाया गया। 2 कुरिन्थियों में पौलुस कहता है, मैंने तुम्हें एक पिछला पत्र लिखा था जिसमें तुम्हें पश्चाताप के लिए बुलाया गया था।

तो सवाल यह है कि यह आँसू पत्र क्या है? तो अलग-अलग लोग अलग-अलग उत्तर सुझाते हैं। कुछ लोगों को लगता है कि यह 1 कुरिन्थियों को संदर्भित करता है। शायद नहीं, लेकिन कुछ लोगों को लगता है कि यह 1 कुरिन्थियों को संदर्भित करता है। अन्य लोग सुझाव देते हैं, और मुझे लगता है कि यह संभवतः अधिक संभावना है कि यह एक खोया हुआ पत्र था जिसे वे "आँसू पत्र" कहते हैं। उसने उन्हें एक बहुत कठोर पत्र लिखा था और वह पत्र खो गया है। तो वैसे, क्या पॉल ने कई पत्र लिखे थे जिनमें से कुछ हमारे पास नहीं हैं? हाँ। तो वह अंतिम "आँसू पत्र" अन्य लोगों को लगता है, और यह एक दिलचस्प विचार है कि 2 कुरिन्थियों में अध्याय 10 से 13, पॉल वास्तव में आगे और नीचे जाता है। कुछ लोग सोचते हैं कि अध्याय 10 से 13 मूल रूप से यह "आँसू पत्र" हैं और यह आँसू पत्र 2 कुरिन्थियों के साथ रखा गया था या जोड़ा गया था, क्योंकि एक अचानक जंक्शन है। दोनों एक साथ आते हैं। और वे इस तरह से एक साथ जुड़े हुए हैं। इसलिए कुछ लोगों को लगता है कि 2 कुरिन्थियों का बाद का हिस्सा "आँसू पत्र" है। इसलिए मेरा अनुमान है कि यह खोया हुआ पत्र

है। 2 कुरिन्थियों में पॉल और इस आदमी के बारे में बात करता है जो वास्तव में अपने पिता की पत्नी के साथ सो रहा था। मूल रूप से वह यह कहता है, "बहुमत द्वारा उसे दी गई सज़ा उसके लिए पर्याप्त है।" तो, जाहिर है कि उन्होंने कुछ नहीं किया। पॉल ने उन्हें लिखा। फिर उन्होंने इस आदमी को डांटा और पॉल ने कहा, यह काफी है। आदमी ने पश्चाताप किया। "अब इसके बजाय, आपको उसे माफ़ करना चाहिए और उसे दिलासा देना चाहिए।" आपको उसे माफ़ करना चाहिए और उसे दिलासा देना चाहिए। तो जाहिर है कि उन्होंने इस आदमी पर दबाव डाला। वह अपनी पत्नी के साथ सो रहा था। पॉल ने उस आदमी को इसके लिए मज़बूत कहा। वह पश्चाताप करता है और पॉल कहता है, ठीक है, तुम उन्हें शैतान के हवाले मत करो। यह काफी हो चुका है। उसने पश्चाताप किया है। इसलिए उन्हें वापस जाने दो। अब सांत्वना की ज़रूरत है।

महिमा का भार, नई महिमा थीम में पुरानी महिमा। यह यहाँ एक सुंदर अंश है। मुझे बस इतना कहना है। क्या क्षमा करने और मेल-मिलाप में कोई अंतर है? क्या किसी को क्षमा करने और मेल-मिलाप में कोई अंतर है? यदि आप किसी को क्षमा करते हैं, तो क्या आप तुरंत उस व्यक्ति के साथ मेल-मिलाप कर लेते हैं? मैं सोचता था कि मेल-मिलाप और क्षमा एक साथ जुड़े हुए हैं। मैं जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है कि हमारे बीच इस पर कई लोगों के बीच बहस हुई है और मेरा सुझाव है कि नहीं, मैं किसी को तुरंत क्षमा कर सकता हूँ। लेकिन क्या यह संभव है कि मेल-मिलाप में समय लगे। मेल-मिलाप में समय लगता है क्योंकि आपको विश्वास और उस तरह की चीज़ों को फिर से बनाना होता है। इसलिए, उदाहरण के लिए, मेरे मामले में, मेरे पास मेरे दोस्त का नाम यहाँ था और मैं उसके किए के लिए उसे क्षमा करने में सक्षम था। लेकिन मेल-मिलाप में 15 साल लग गए, वास्तव में, हमें भाइयों के रूप में फिर से मेल-मिलाप करने से पहले 15 साल लग गए। इसलिए मैं यहाँ जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है कि सावधान रहें, एक व्यक्ति क्षमा कर सकता है, लेकिन सुलह, उस विश्वास और सभी प्रकार की चीज़ों का एक पूरा समूह है जिस पर काम करना होगा। सुलह के लिए और भी बहुत कुछ है। यह क्षमा से कहीं अधिक जटिल है। आप कह सकते हैं, मैं तुम्हें माफ़ करता हूँ लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप फिर से सुलह करने जा रहे हैं। सुलह एक अलग ही काम है। अब, यह महिमा, बनाम पुरानी महिमा। अध्याय 3, श्लोक 17 में इसे देखें। इसमें लिखा है,

"अब प्रभु आत्मा है और जहाँ प्रभु की आत्मा है वहाँ स्वतंत्रता है। और हम सभी खुले चेहरों के साथ प्रभु की महिमा को दर्शाते हैं। वह यहाँ किस कल्पना को चित्रित कर रहा है? हम खुले चेहरों के साथ परमेश्वर की महिमा को दर्शाते हैं। यह कहाँ से आ रहा है? किसी को कुछ समझ आया? हाँ, मैंने देखा कि किसी ने इसे सही कहा है। मूसा। क्या आपको मूसा याद है जब मूसा पहाड़ से नीचे आया, सभी लोगों ने उसे देखा और उसका चेहरा चमक रहा था। वैसे, क्या आपने कभी मूसा के सींगों वाली चीज़ देखी है? आप जानते हैं, नहीं, मैं गंभीर हूँ। जब आप इटली जाते हैं और वे इसे सींगों के साथ करते थे। यह एक तरह का गलत अनुवाद था। इसका वास्तव में परमेश्वर की महिमा का मतलब था और उन्होंने, उन्होंने इन सींगों में गलत अनुवाद किया। यह है, उन्होंने मूसा पर नारंगी रंग लगाया। लेकिन वैसे भी, लेकिन मूसा, क्या आपको उसका चेहरा दिखाया गया याद है? और लोग मूसा से डरते हैं। इसलिए मूसा ने अपना चेहरा ढक लिया।

मेन में एक आदमी था जिसने अपना चेहरा ढका हुआ था। उसका नाम क्या था? उसने अपना चेहरा ढका हुआ था। मूडी। एक आदमी था जो अपना चेहरा ढकता था और जब वह उपदेश देता था, तो आप इसे उतार देते थे और फिर वापस लगा लेते थे। मेन में एक आदमी था जिसने ऐसा किया [रूमाल मूडी]। लेकिन यहाँ वह कहता है, "तुम जो खुले चेहरों से परमेश्वर की महिमा को दर्शाते हो, तुम हमेशा बढ़ती महिमा के साथ उसकी समानता में बदल रहे हो।" ताकि लोग तुममें परमेश्वर की महिमा देख सकें। कैसे परमेश्वर ने तुम्हारा जीवन बदल दिया और तुम वापस आ गए और तुम अलग हो। फिर मैं महिमा के इस पहलू को महिमा के भार के साथ समाप्त करना चाहता हूँ। क्या कभी किसी ने, जब मैं "महिमा का भार" कहता हूँ, किसी पुस्तक को प्रेरित किया है? एक लेखक जिसने लिखा, सीएस लुईस? क्या आप लोग सीएस लुईस को जानते हैं? मेरी ईसाई धर्म। लेकिन उन्होंने द वेट ऑफ ग्लोरी नामक एक पुस्तक लिखी। बहुत पतली किताब, लेकिन बहुत शक्तिशाली किताब। इस श्लोक के आधार पर महिमा का भार, यह कहता है, "हालाँकि, बाहरी रूप से हम नष्ट हो रहे हैं। फिर भी आंतरिक रूप से हम अपने प्रकाश के लिए दिन-प्रतिदिन नए हो रहे हैं, और क्षणिक परेशानियाँ हमारे लिए काम करती हैं, महिमा का एक बहुत अधिक और अनन्त भार।" तो वह कह रहा है, हाँ, इस जीवन में हमारे पास सभी प्रकार की क्षणिक समस्याएँ हैं। हमें एक परीक्षा

सप्ताह से गुजरना है। यह बहुत बुरा है। जीवन में कुछ बुरी चीजें हैं और हमें उनसे निपटना है। लेकिन वहाँ, उसने कहा "महिमा का एक बहुत बड़ा भार है।" क्या आप ईश्वर और अन्य लोगों की महिमा देख सकते हैं? क्या आप अन्य लोगों में ईश्वर की महिमा देख सकते हैं? महिमा का भार, जैसा कि लुईस इसका वर्णन करता है, मिट्टी के बर्तनों में और महिमा,।

हाँ, लेकिन "हमारे पास यह खजाना है, हमारे पास मिट्टी के बर्तनों में यह खजाना है।" वह किस मिट्टी के बर्तनों की बात कर रहा है? मिट्टी के बर्तन हमारा शरीर है। हमारे पास मिट्टी के बर्तनों में यह महिमा है। "मिट्टी के बर्तन" नामक एक समूह था। वे शायद अब चले गए हैं। मुझे नहीं लगता कि कोई उन्हें पहचानता है, लेकिन एक समूह है जिसे "मिट्टी के बर्तन" कहा जाता था। "हमारे पास यह है, मिट्टी के बर्तनों में यह खजाना यह दिखाने के लिए है कि यह सभी श्रेष्ठ शक्ति ईश्वर से है, हमसे नहीं।" मिट्टी के बर्तन। सुंदर कथन। तो यह पहले से ही है, लेकिन अभी तक तनाव नहीं है। हम मिट्टी के बर्तनों में ईश्वर की महिमा रखते हैं। क्या किसी दिन ईश्वर की महिमा वास्तव में हमसे चमकने वाली है? लेकिन अभी, लेकिन अभी यह क्या है? अब यह मिट्टी के बर्तनों में है। किसी दिन यह इस तरह से बाहर आएगी। तो आपको इस तरह की चीज़ मिलती है। मुझे बस, आखिरी वाला, मैं पहले से ही लेकिन अभी तक नहीं के इस विचार को विकसित करना चाहता था। मुझे इसे कुछ मिनटों में करने दें। 2 कुरिन्थियों में कुछ आयतें हैं जो वास्तव में मुख्य आयतें हैं। अध्याय 5, आयत 17 में यह कहा गया है, "इसलिए, यदि कोई मसीह में है, तो वह एक नई सृष्टि है। पुराना चला गया है और नया आ गया है।" "यदि कोई मसीह में है, तो वह एक नई सृष्टि है। पुराना चला गया है, नया आ गया है।" और यह उस रूपांतरण या परिवर्तन का हिस्सा है जिससे एक ईसाई गुजरता है। इस बीच पॉल 5:2 में कहता है, "इस बीच, हम कराहते हैं, अपने स्वर्गीय निवास को पहनने की लालसा करते हैं।" तो वह जो कह रहा है वह यह है कि हमारे भौतिक शरीर में, हम कराहते हैं, अपने स्वर्गीय निवास की प्रतीक्षा और आशा करते हैं। "थोड़ी देर के लिए हम इस तम्बू में हैं।" "जब हम इस तम्बू में थे," क्या पॉल तम्बू बनाने के बारे में जानता था? "जबकि हम इस तम्बू में हैं, अर्थात् हमारा शरीर। "हम बड़े हुए हैं," उस दिन की आशा और प्रतीक्षा करते हुए जब हमारे शरीर सही हो जाएँगे। तो फिर मैं अध्याय 5, पद 10 में इस "पहले से ही, लेकिन अभी तक नहीं" विचार का परिचय देता हूँ।

"हम सभी को मसीह की न्यायपीठ के सामने उपस्थित होना चाहिए।" "हम सभी को मसीह की न्यायपीठ के सामने उपस्थित होना चाहिए ताकि प्रत्येक व्यक्ति को उसके लिए उचित दंड मिले, चाहे वह शरीर में किए गए अच्छे या बुरे कामों के लिए हो।" क्या हम सभी मसीह की न्यायपीठ के सामने खड़े होंगे? यह कहता है कि हम किस आधार पर मसीह की न्यायपीठ के सामने खड़े होंगे "शरीर में किए गए अच्छे या बुरे कामों के लिए।" क्या कोई न्याय का दिन आने वाला है और पॉल इसे ठीक से सामने लाता है। हम सभी मसीह की न्यायपीठ के सामने खड़े होने जा रहे हैं और अपने जीवन के साथ जो कुछ भी किया है उसके लिए जवाब देंगे।

मैं अपने बच्चों को यह बताने की कोशिश करता हूँ जो मेरी बात नहीं सुनते। लेकिन मैंने अपने बच्चों से बात की और मेरे दादाजी ने मुझे यह सिखाया और मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, यह एक छोटी सी कविता है जो वे अक्सर कहा करते थे, "केवल एक जीवन जल्द ही बीत जाएगा, केवल मसीह के लिए किया गया कार्य ही टिकेगा।" मुझे लगता है कि, मैं कैसे कहूँ, मैं वास्तव में इससे सहमत हूँ? "केवल एक जीवन जल्द ही बीत जाएगा, केवल मसीह के लिए किया गया कार्य ही टिकेगा।" अब जब आप बड़े हो जाते हैं, तो क्या होता है? क्या आप लोग इस गीत को जानते हैं? एक गीत है, लेकिन इसमें कहा गया है, आप जागते हैं और आप पाँच साल के होते हैं और फिर आप चले जाते हैं और आप फिर से अपनी आँखें झपकाते हैं और अचानक आप हाई स्कूल में पहुँच जाते हैं। आप फिर से अपनी आँखें झपकाते हैं और अचानक आप विवाहित हो जाते हैं। आप फिर से अपनी आँखें झपकाते हैं, आपके बच्चे हैं और आप फिर से अपनी आँखें झपकाते हैं। आप बूढ़े हो गए हैं। और फिर आप अपनी आँखें झपकाते हैं। आप सौ साल के हो गए हैं। तो उस आदमी का समाधान क्या था? पलकें न झपकाएँ। पलकें मत झपकाओ। यह एक देशी गाना है। मुझे पता है कि आप लोग शास्त्रीय और सभी अच्छे गाने सुनते हैं। लेकिन देशी संगीत की तरह, लेकिन मुद्दा यह है, लेकिन मुद्दा यह है कि जैसा कि उस आदमी ने कहा, आप अपनी आँखें झपकाते हैं और अचानक आप 25 साल के हो जाते हैं। आप में से कितने लोग, क्या आप में से कुछ लोग अब यह जानते हैं? आप अपनी आँखें झपकाते हैं और आप कहते हैं, मेरा बचपन कहाँ चला गया? मुझे लगता है कि मैं अब कॉलेज में हूँ। मुझे अपने जीवन के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार होना

चाहिए। मुझे नहीं पता कि कैसे। चीजें घटती हैं और आप अपनी आँखें झपकाते हैं और अचानक आप कॉलेज में होते हैं। जो होने वाला है, वह यह है कि आप फिर से अपनी आँखें झपकाएँगे। आप 35 साल के होने जा रहे हैं। वह बूढ़ा है। फिर आप फिर से अपनी आँखें झपकाएँगे।

तो मैं जो कह रहा हूँ, वह यह है कि आपको यह पता लगाना होगा कि जीवन में क्या महत्वपूर्ण है। फिर मैं जो कह रहा हूँ वह है कार्पे डेम। उन चीजों के लिए आगे बढ़ो जो आप में से हर एक के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह आप में से हर एक के लिए अलग होगा। आप में से कुछ लोग हर तरह की चीजें कर रहे होंगे, लेकिन आपको यह पता लगाना होगा कि भगवान ने आपको क्या करने के लिए बुलाया है। फिर इसे 100% दें और इसके लिए आगे बढ़ें। तो मिट्टी के बर्तन। पारदर्शिता। पॉल कहते हैं, "हमने आपसे खुलकर बात की है और हमने आपके लिए अपने दिल खोल दिए हैं। हम आपसे अपना स्नेह नहीं रोक रहे हैं, लेकिन आप पॉल से अपना स्नेह वापस ले रहे हैं।" इसलिए पॉल कहते हैं कि वह लोगों के साथ पूरी तरह से पारदर्शी थे, लेकिन जाहिर तौर पर वे पारदर्शी नहीं थे। और यह पॉल को परेशान करता है। यहाँ कुछ और बातें हैं और फिर हम इसे बंद कर देंगे - बुराई से अलगाव। वह कहते हैं, "ऐसा न करें" कुरिन्थियों के अध्याय छह में इस अंश में, "अविश्वासियों के साथ असमान जुए में न जुतो।" "अविश्वासियों के साथ असमान जुए में न जुतो।" यहाँ लिखा है "असमान जुए में न जुतो।" क्या लोगों ने इसका इस्तेमाल यह बताने के लिए किया है कि आपको गैर-ईसाई लड़कियों के साथ डेट नहीं करना चाहिए। आपको गैर-ईसाई लड़कों के साथ डेट नहीं करना चाहिए। अविश्वासियों के साथ असमान जुए में न जुतो। संदर्भ वास्तव में इससे कहीं अधिक व्यापक है। असमान जुए में न जुतो। इसका क्या मतलब है? इसका मतलब है कि बैल और गधे को एक साथ न जोतो। बैल और गधे का एक साथ जुए में जुतो ठीक नहीं है। बैल वह सारा काम करेगा जिसे गधा नहीं कर सकता और उसे अपना वजन खुद उठाना पड़ता है। असमान जुए में न जुतो। मैं बस इतना ही कहना चाहता हूँ।

मेरी पत्नी को व्यवसाय में इसका सामना करना पड़ा। मेरी पत्नी एक CPA है, वह एक आदमी के साथ व्यवसाय कर रही है। वह आदमी उसके ऊपर था, वह उसका बॉस था और बॉस कुछ अच्छा

करता था ... लेकिन वह कुछ ऐसे काम करता था जो शायद हमेशा नहीं होते थे, मैं कैसे कहूँ कि वे संदिग्ध थे? मेरी पत्नी एक वास्तविक पूर्णतावादी है और इसलिए सब कुछ सही तरीके से किया जाना चाहिए। वह सब कुछ सही तरीके से नहीं करता था। तो फिर उस आदमी ने मेरी पत्नी से कहा, क्या तुम व्यवसाय का हिस्सा चाहती हो? तुम इस व्यवसाय में आधे हिस्से में हिस्सा लेने जा रही हो। मैं कह रहा था, हाँ, इसके लिए जाओ, हम और अधिक पैसा कमाएँगे। मेरी पत्नी ने कहा, मैं उसके साथ आधे हिस्से में नहीं जा सकता। वह आधे हिस्से में क्यों नहीं जा सकती? क्योंकि वे एक ही पृष्ठ पर नहीं थे। वह कह रही थी, जब मैं किसी का कर देता हूँ, तो मुझे इसे सही तरीके से करना होता है। मुझे इसे सही तरीके से करना होता है। यह आदमी कह रहा था, बस इसे पूरा करो और कुछ कोनों को कम करो, कोई बड़ी बात नहीं है। और वह जो कह रही है, सवाल यह है कि क्या आप समान रूप से जुए में बंधे हो सकते हैं? अगर किसी के पास अलग-अलग नैतिक अभ्यास हैं, तो आप ऐसा कर सकते हैं। तो उसने ऐसा नहीं किया। इसलिए हम गरीब हैं। नहीं। उसने ऐसा नहीं किया। और वैसे, क्या मैं उसके इस निर्णय का समर्थन करता हूँ? इसका उत्तर है, हाँ। इसलिए, हालाँकि हमने इसके परिणाम भुगतते हैं। 2 कुरिन्थियों में पॉल की बड़ी बात, 2 कुरिन्थियों के पत्र का बड़ा बिंदु यह है कि वह पैसे माँग रहा है। वह कह रहा है कि यरूशलेम में गरीब लोग हैं। यरूशलेम में अकाल पड़ा है और पॉल आ रहा है। वह कह रहा है कि कृपया कुरिन्थियों। वैसे, क्या कुरिन्थियों के पास पैसा है? कुरिन्थियों के पास पैसा है। पॉल उनका पैसा नहीं लेगा। इसलिए उसने वहाँ तंबू बनाए। उसने कहा, मैं इसे नहीं लूँगा क्योंकि ये लोग वास्तव में पैसे के पीछे हैं। लेकिन अब वह यरूशलेम में इन गरीब लोगों की ओर से आ रहा है। वह आता है और कहता है, "परमेश्वर खुशी-खुशी देने वाले को प्यार करता है।" "परमेश्वर खुशी-खुशी देने वाले को प्यार करता है।" तो यही वह समय था जब उसने यरूशलेम में गरीब लोगों के लिए पैसे माँगे। वह वास्तव में इसके लिए कुरिन्थियों को दोषी ठहराता है।

यह शैतान है जिसे इस पुस्तक में प्रकाश के दूत के रूप में चित्रित किया गया है। शैतान को प्रकाश के दूत के रूप में चित्रित किया गया है। क्योंकि वह कहता है "क्योंकि ऐसे लोग झूठे प्रेरित हैं, धोखेबाज़ कामगार जो मसीह के प्रेरितों का वेश धारण करते हैं। और इसमें कोई आश्चर्य नहीं, इसमें

कोई आश्चर्य नहीं कि शैतान स्वयं प्रकाश के दूत का वेश धारण करता है।" यह हमें बताता है कि जब शैतान आपके पास आता है, तो वह अंधेरे से बाहर आने वाला कोई काला सींग वाला व्यक्ति नहीं होगा। अब शैतान प्रकाश का दूत है, पॉल कहते हैं, और मुझे लगता है कि इसका मतलब है कि वह बहुत धोखेबाज है। इसलिए कभी-कभी शैतान किसी ऐसी चीज़ के रूप में आ सकता है जो बहुत, बहुत अच्छी लगती है। इसलिए आपको बहुत समझदार होना चाहिए और उम्मीद है कि कॉलेज में आप यहाँ जो कुछ भी सीखते हैं, उसमें से कुछ चीज़ें हैं। पॉल शेखी बघारता है और फिर यह 2 कुरिन्थियों का अंत होगा। पॉल शेखी बघारता है। पॉल किस बारे में शेखी बघारता है? वह शेखी बघारता है कि उसे कितनी बार पीटा गया, कितनी बार आप लगभग मर गए, कितनी बार उसे समुद्र में फेंक दिया गया। पॉल अपनी कमज़ोरियों के बारे में शेखी बघारता है। पॉल अपनी कमज़ोरियों के बारे में शेखी बघारता है ताकि वह यीशु मसीह में अपनी ताकत का प्रदर्शन कर सके। इसलिए पॉल घमंडी तरीके से शेखी बघारता नहीं है, बल्कि वह उन सभी समयों के बारे में शेखी बघारता है जब उसे पीटा गया था। फिर पॉल अपने शरीर में चुभे इस कांटे के बारे में शिकायत करता है। पॉल तीन बार प्रार्थना करता है, और मुझे लगता है कि यह उन लोगों के लिए अच्छा है जो वास्तव में उपचार में लगे हुए हैं। उपचार मंत्रालय में यह वास्तव में महत्वपूर्ण है। पॉल ने तीन बार प्रार्थना की कि परमेश्वर शरीर में इस कांटे को निकाल दे। हमने कहा कि यह शायद उसकी आँखों से संबंधित है। उसने तीन बार प्रार्थना की और परमेश्वर ने कहा, नहीं, मैं ऐसा नहीं करने जा रहा हूँ। यह प्रेरित पॉल परमेश्वर से प्रार्थना करता है कि परमेश्वर शरीर में से कांटा निकाल दे। परमेश्वर कहता है, नहीं, मैं ऐसा नहीं करूँगा। "मेरा अनुग्रह तुम्हारे लिए पर्याप्त है।" "मेरा अनुग्रह तुम्हारे लिए पर्याप्त है।" मैं आपके लिए भी सुझाव दूँगा, परमेश्वर कहता है, "मेरा अनुग्रह तुम्हारे लिए पर्याप्त है।" परमेश्वर के अनुग्रह में विश्राम करो। यहीं पर यह है। तो यह 2 कुरिन्थियों के लिए है।

चलो ब्रेक लेते हैं। हम आप लोगों से मंगलवार को मिलेंगे। अपना ख्याल रखना। यह डॉ. टेड हिल्डेब्रांट हैं जो न्यू टेस्टामेंट इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र पर अपनी शिक्षा दे रहे हैं। यह कुरिन्थियों भाग दो पर व्याख्यान संख्या 26 है।